रिपोर्ट संख्या–25

उत्तराखण्ड शासन

ग्राम्य विकास एवं पलायन निवारण आयोग, उत्तराखण्ड, पौड़ी

राज्य में रिवर्स पलायन के सर्वे पर अंतरिम रिपोर्ट

अगस्त, 2025

प्रस्तावना

उत्तराखण्ड पश्चिमी हिमालय क्षेत्र का एक प्रमुख राज्य है जिसमें कुल 13 जनपद 95 विकास खण्ड तथ 16793 Census ग्राम हैं। राज्य के भौगोलिक क्षेत्रफल का लगभग 85% पर्वतीय है, जहाँ लगभग 70% लोग ग्रामीण क्षेत्रों मे रहते हैं। प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों की ओर हो रहा पलायन एक बड़ी चुनौती है जो आर्थिक असमानताओं के साथ–साथ कई अन्य चुनौतियाँ प्रकट कर रहा है जैसे कि कृषि उत्पादन एवं कृषि क्षेत्रफल में गिरावट, ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर दबाव एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रह रहे लोगों की प्रति व्यक्ति आय में कमी।

वर्ष 2017 मे ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन की चुनौती को देखते हुए तथा इस समस्या के निवारण हेतु सुझाव देने के लिए राज्य सरकार द्वारा ग्राम्य विकास एवं पलायन निवारण आयोग का गठन किया गया। इस आयोग के प्रमुख कार्यों में राज्य के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन का सर्वे एवं आंकलन करना; राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों के केंद्रित विकास के लिए एक दृष्टि विकसित करना जो पलायन की गंभीरता को कम कर ग्रामीण जनसंख्या के कल्याण और समृद्धि को बढ़ावा देने में सहायता करेगा; जमीनी स्तर पर बहु–क्षेत्रीय विकास के लिये सरकार को सलाह प्रदान करना जो जिला और राज्य स्तर पर संयुक्त रूप से हो; राज्य की आबादी के उन वर्गों के लिये जो आर्थिक प्रगति से पर्याप्त रूप से लाभान्वित नहीं हैं, हेतु लघु/मध्यम/दीर्घ अवधि की कार्ययोजना की सिफारिश प्रस्तुत करना; विभिन्न क्षेत्रों में केंद्रित पहल की सिफारिश और निगरानी करना जो ग्रामीण क्षेत्रों में चहुंमुखी विकास में सहायक होकर पलायन को रोकने में सक्षम हों तथा इस सन्दर्भ में राज्य सरकार द्वारा दिए गए किसी भी अन्य मामले मे सिफारिशें प्रदान करना।

पिछले कुछ वर्षों से विशेषकर कोविड–19 महामारी के पश्चात् जो व्यक्ति ग्रामीण क्षेत्रों से पलयान कर गए थे उनमें से कई रिवर्स पलायन कर अपने मूल ग्रामों, कस्बों अथवा उसके आस–पास लौटे रहे हैं। यह रिवर्स पलायन राज्य के लगभग सभी विकास खण्डों में देखने को मिल रहा है तथा राज्य के विकास के लिए एक सकारात्मक संकेत है।

आयोग की माह मई, 2025 में आयोजित 9वीं बैठक में मा0 मुख्यमंत्री जी/अध्यक्ष, ग्राम्य विकास एवं पलायन निवारण आयोग, उत्तराखण्ड द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में आयोग ने राज्य के सभी ग्रामीण क्षेत्रों में रिवर्स पलायन पर एक व्यापक सर्वे कराया। इस रिपोर्ट में अपने ग्राम/मूल (अथवा उसके आस–पास) स्थान पर लौटे रिवर्स पलायन कर आए व्यक्तियों के आंकड़ें प्रस्तुत किए गए हैं, जो अपना मूल ग्राम छोड़कर स्थायी अथवा अस्थायी रूप से पलायन कर गए थे परन्तु अब मूल ग्राम, कस्बों अथवा उसके आस–पास के ग्रामीण क्षेत्रों में आकर अपनी आजीविका पुनः प्रारम्भ की है। राज्य के सभी ग्राम पंचायतों में ग्राम्य विकास विभाग के माध्यम से सर्वे कराया गया एवं संबंधित विभागों जैसे कि कृषि, उद्यान, पशुपालन, उद्योग, पर्यटन, मत्स्य, दुग्ध विकास विभाग आदि से, राज्य एवं जनपदस्तर से आंकड़ें प्राप्त किए गए। आयोग की टीमों द्वारा क्षेत्र भ्रमण से भी संकलित की गयी सूचनाओं को इस सर्वे में सम्मिलित किया गया है। आंकड़ों का विश्लेषण आयोग के पौड़ी स्थित कार्यालय में किया गया है।

आयोग अपने अध्यक्ष श्री पुष्कर सिंह धामी जी, माननीय मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड द्वारा दिए गए मार्गदर्शन और प्रोत्साहन; मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन; सचिव, ग्राम्य विकास; ग्राम्य विकास विभाग एवं सम्बन्धित विभागों के अधिकारीण; आयोग के माननीय सदस्यगण; श्री भरत चन्द्र भट्ट, सदस्य सचिव, ग्राम्य विकास एवं पलायन निवारण आयोग, उत्तराखण्ड; श्री गजपाल चन्दानी, शोध अधिकारी ग्राम्य विकास एवं पलायन निवारण आयोग तथा श्री भूपाल सिंह रावत, वैयक्तिक सहायक द्वारा इस रिपोर्ट को तैयार करने के अथक प्रयासों के लिए कृतज्ञतापूर्वक धन्यवाद करता है।

अगस्त, 2025

डॉ शरद सिंह नेगी
उपाध्यक्ष

अन्तर्वस्तु

अध्याय 1	रिवर्स पलायन की पृष्ठभूमि	1–4
अध्याय 2	उत्तराखण्ड – अर्थव्यवस्था	5–7
अध्याय 3	पलायन की स्थिति वर्ष 2018	8–12
अध्याय 4	पलायन की स्थिति वर्ष 2022	13–19
अध्याय 5	प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में अगस्त 2025 तक रिवर्स पलायन के प्रारम्भिक आंकड़े एवं विश्लेषण	20–34

अध्याय 1

रिवर्स पलायन की पृष्ठभूमि

उत्तराखण्ड राज्य का गठन वर्ष 2000 में किया गया। सन् 2011 की जनगणना के अनुसार राज्य की जनसंख्या 100.7 लाख थी जिसमें से लगभग 70 प्रतिशत लोग ग्रामीण क्षेत्रों में तथा 30 प्रतिशत शहरी क्षेत्रों में रह रहे हैं। राज्य की जनसंख्या भारत की कुल जनसंख्या का 0.83 प्रतिशत है। उत्तराखण्ड का भौगोलिक क्षेत्रफल 53,483 वर्ग कि.मी. है तथा इसे दो अंचलों कुमाऊँ (06 जनपद) एवं गढ़वाल (07 जनपद) में बांटा गया है। राज्य में कुल 13 जनपद 95 विकासखण्ड तथा 16793 Census ग्राम हैं जिनमें से (वर्ष 2011 में) 1048 गैर आबाद थे। वर्ष 2001 तथा वर्ष 2011 के बीच राज्य की जनसंख्या वृद्धिदर 1.9 प्रतिशत थी। वर्ष 2011 में राज्य की साक्षरता दर 78.8 प्रतिशत थी।

राज्य में 10 जनपद पर्वतीय हैं तथा 03 जनपद मैदानी क्षेत्रों में है। पर्वतीय क्षेत्रों का भौगोलिक क्षेत्रफल राज्य के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का लगभग 85 प्रतिशत है, परन्तु पर्वतीय क्षेत्रों में राज्य की कुल जनसंख्या के लगभग 55 प्रतिशत लोग रहते है। पर्वतीय क्षेत्रों में वर्ष 2001 एवं वर्ष 2011 के बीच जनसंख्या वृद्धिदर 1.3 प्रतिशत थी जो की राज्य औसत से कम है। इसी अवधि में उत्तराखण्ड की शहरी जनसंख्या 3.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी है।

प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों से हो रहा पलायन एक बड़ी चुनौती है। विशेषकर राज्य के पर्वतीय जनपदों के ग्रामीण क्षेत्रों के परिप्रेक्ष्य में वर्ष 2001 एवं वर्ष 2011 के बीच अल्मोड़ा एवं पौड़ी गढ़वाल जनपदों की जनसंख्या घटी एवं पर्वतीय क्षेत्रों में 36 विकासखण्डों में भी ग्रामीण जनसंख्या घटी है। राज्य की चीन एवं नेपाल से अन्तर्राष्ट्रीय सीमा के विभिन्न विकासखण्डों में भी पलायन एक गम्भीर समस्या है।

उक्त परिप्रेक्ष्य में राज्य सरकार ने वर्ष 2017 में ग्राम्य विकास एवं पलायन निवारण आयोग का गठन किया जिसका विवरण एवं आयोग द्वारा किए गये कार्यो का उल्लेख निम्नानुसार है—

आयोग का गठनः— "ग्राम्य विकास एवं पलायन आयोग" का गठन शासनादेश संख्या 1357/XI/17/56(54)2017 दिनांक 25.08.2017 द्वारा किया गया है। वर्तमान में संशोधित शासनादेश संख्या 1055/XI/18/ 56(54)2017 टी0सी0 दिनांक 03 मई, 2018 द्वारा आयोग का पुनर्गठन निम्नानुसार किया गया है :—

1. अध्यक्ष — मा0 मुख्यमंत्री जी
2. उपाध्यक्ष — 01 (एक)
3. सदस्य — 05 (पांच)
4. सदस्य सचिव — अपर आयुक्त, ग्राम्य विकास विभाग, पौड़ी (पदेन)

- सदस्य क्रमांक 1 एवं 4 पदेन हैं।
- शासनादेश संख्या I/67810/2022 दिनांक 06.10.2022 द्वारा पलायन आयोग का नाम परिवर्तित करते हुए ग्राम्य विकास एवं पलायन निवारण आयोग किया गया है।

कार्य

रिवर्स पलायन को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार की पहल :— उत्तराखण्ड सरकार ने रिवर्स पलायन को एक नीति के रूप में अपनाया है। जिसके चलते उत्तराखण्ड सरकार द्वारा 25 अगस्त, 2017 को **'पलायन आयोग'** की स्थापना कर पलायन की जड़ों की पहचान की गई, और अब कई योजनाएं आयोग की सिफारिशों को एकीकृत करते हुए, पलायन को रोकने से आगे बढ़कर **'रिवर्स पलायन'** को प्रोत्साहित करने की दिशा में कार्यरत हैं :—

ग्राम्य विकास एवं पलायन निवारण आयोग, उत्तराखण्ड :— 25 अगस्त 2017 को स्थापित ''ग्राम्य विकास एवं पलायन निवारण आयोग, उत्तराखण्ड'' देश में अपनी तरह की पहला आयोग है, जिसने राज्य

में हो रहे बाह्य और आंतरिक पलायन की वैज्ञानिक जांच की। आयोग ने पलायन के कारणों, प्रभावों और सम्भावित समाधानों पर गहन अध्ययन प्रस्तुत किया। जिनका विवरण निम्नवत है :–

1. उत्तराखण्ड के ग्राम पंचायतों में **पलायन की स्थिति पर अंतरिम रिपोर्ट – 01**
2. प्रकृति आधारित पर्यटन **(ईको टूरिज्म) विश्लेषण एवं सिफारिशें – 01**
3. राज्य के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक–आर्थिक विकास को सुदृढ़ बनाने एवं पलायन को कम करने हेतु जनपदों **(पौड़ी, अल्मोड़ा, पिथौरागढ़, टिहरी, चमोली, रूद्रप्रयाग, बागेश्वर, उत्तरकाशी, चम्पावत, नैनीताल, देहरादून, हरिद्वार एवं ऊधमसिंह नगर)** पर आधारित सिफारिशों वाली रिपोर्टें – **13**
4. **ग्राम्य विकास के क्षेत्र में** योजनाओं और कार्यक्रमों का विश्लेषण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए सिफारिशें – **01**
5. COVID-19 के प्रकोप के दौरान राज्य में लौटे प्रवासी–आंकड़े, विश्लेषण एवं उनके पुनर्वास पर आधारित सिफारिशें – **04**
6. पलायन की स्थिति पर द्वितीय सर्वेक्षण रिपोर्ट – **01**
7. राज्य सरकार द्वारा संचालित स्वरोजगार योजनाओं एवं कार्यक्रमों का विश्लेषण तथा उनके सरलीकरण–शिथलीकरण हेतु सुझाव, मार्च 2024 – **01**
8. राज्य के भारत–चीन सीमान्त विकासखण्ड़ों में सामाजिक–आर्थिक विकास को सुदृढ़ करने, पलायन पर अंकुश लगाने एवं रिवर्स पलायन को बढ़ावा दिये जाने हेतु सिफारिशें, जून 2024–**01**
9. राज्य के पलायन प्रभावित क्षेत्रों में बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा के सुधार हेतु सिफारिशें, फरवरी 2025 – **01**

ग्रामीण क्षेत्रों से हो रहे पलायन की समस्या राज्य के लिए एक बड़ी चुनौती है तथा इसके समाधान का ग्रामीण अर्थव्यवस्था एवं उपलब्ध संरचना को सुदृढ़ करने से ही होगा। राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका के अवसर उपलब्ध होने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी। इससे शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं में भी सुधार होगा। राज्य में केन्द्रपोषित एवं राज्यपोषित विभिन्न योजनाएँ उपलब्ध हैं। यह अलग–अलग विभागों एवं परियोजनाओं द्वारा संचालित हैं तथा इनका मुख्य उद्‌देश्य आजीविका एवं स्वरोजगार को बढ़ावा देना है। मुख्य योजनाऐं निम्नानुसार हैं–

1. **कृषि–** राष्ट्रीय कृषि विकास योजना; राष्ट्रीय सतत कृषि मिशन; सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन; स्टेट मिलेट मिशन; परंपरागत कृषि विकास योजना; किसान उत्पादक संगठन।
2. **पशुपालन एवं डेयरी विकास–** राष्ट्रीय पशुधन मिशन; बकरी पालन परियोजना; भेड़ पालन परियोजना; कुक्कुट वैली की स्थापना; बैकयार्ड कुक्कुट पालन; ब्रायलर फार्म की स्थापना; राष्ट्रीय गोकुल मिशन; डेयरी विकास कार्यक्रम।
3. **मत्स्य–** राज्य मत्स्य इनपुट कार्यक्रम; प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना; तालाबों का विकास।
4. **सहकारिता–** राज्य समेकित सहकारी विकास परियोजना; दीन दयाल उपाध्याय सहकारिता किसान कल्याण योजना; मुख्यमंत्री घस्यारी कल्याण योजना।
5. **उद्यान–** राष्ट्रीय बागवानी मिशन; मुख्यमंत्री बागवानी विकास योजना; मधुमक्खी पालन; उद्यानों की घेरबाड; फल प्रसंस्करण; बाजार हस्तक्षेप योजना; मशरूम उत्पादन और विपणन योजना; फसल बीमा योजना; पॉलीहाउस योजना; बेमौसमी सब्जी उत्पादन; फल नर्सरियों की स्थापना; जैविक बागवानी योजना; अखरोट मिशन; राज्य खाद्य प्रसंस्करण मिशन; मिशन एप्पल; नए उद्यानों की स्थापना; पीएम सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम योजना; पूर्वोत्तर और हिमालयी राज्यों के लिए बागवानी मिशन; फूलों की खेती को बढ़ावा; मसाला उत्पादन क्षेत्रों की स्थापना; चाय की खेती और प्रसंस्करण।

6. **उद्योग**– मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना; मुख्यमंत्री सौर स्वरोजगार योजना; पीएमईजीपी.
7. **ग्रामीण विकास**– राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन; मुख्यमंत्री पलायन रोकथाम योजना; मुख्यमंत्री सीमांत विकास कार्यक्रम; वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम; महात्मा गांधी रोजगार गारंटी अधिनियम।
8. **पर्यटन**– दीन दयाल उपाध्याय होमस्टे योजना; वीर चंद्र सिंह गढ़वाली पर्यटन स्वरोजगार योजना; ट्रैकिंग सेंटर योजना।

रिवर्स पलायन की मूल अवधारणा एवं कारक

पिछले कुछ दशकों से उत्तराखण्ड के पर्वतीय एवं मैदानी क्षेत्रों के ग्रामों से शहरों की ओर स्थायी एवं अस्थायी पलायन हुआ, जिसके मुख्य कारण आजीविका/रोजगार की कमी, स्वास्थ्य एवं शिक्षा सुविधाओं की कमी है। पलायन पर ग्राम पंचायतवार आयोग द्वारा वर्ष 2018 एवं वर्ष 2022 में विस्तृत सर्वे किया गया जिनके आंकड़े इस रिपोर्ट के अध्याय 3 एवं 4 में प्रस्तुत हैं।

पिछले कुछ वर्षों में स्थायी एवं अस्थायी रूप से पलायन कर गए व्यक्ति अपने गांव, कस्बों एवं मूल स्थानों की ओर लौट रहे हैं। इस रिवर्स पलायन की मूल अवधारणा एवं कारक निम्न बिन्दुओं में प्रस्तुत हैं:–

1. **कोविड–19 महामारी का प्रभाव**– वर्ष 2020 एवं वर्ष 2021 में कोविड–19 महामारी के दौरान लाखों लोग अपने मूल गांव/स्थानों की ओर लौटे। यद्यपि इनमें से अधिकतर नौकरी/व्यापार/बच्चों की शिक्षा या अन्य कारणों से वापस चले गए लेकिन कई व्यक्तियों ने अपने गांव अथवा आस–पास के क्षेत्रों में आजीविका के अवसर तलाशने प्रारम्भ किये। यह लोग रिवर्स पलायन कर के अपने मूल स्थान पर रह रहे हैं।
2. **सरकारी योजनाऐं एवं प्रोत्साहन**– उत्तराखण्ड में केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने के लिए कई योजनाऐं संचालित है। रिवर्स पलायन कर आए व्यक्ति इन योजनाओं से जुड़े हैं।
3. **सड़कें एवं डिजिटल कनेक्टिविटी**– राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों का जाल सुदृढ़ हुआ है जिससे ग्रामीण क्षेत्रों मे आवागमन बढ़ा है। राज्य के अधिकांश गांवों तक इंटरनेट, मोबाइल नेटवर्क, ऑनलाइन बैंकिंग और डिजिटल सेवाएं पहुँच चुकी हैं, जिससे लोग दूरस्थ क्षेत्रों में रहकर भी काम कर रहे हैं।
4. **अनुभव एवं कौशल**– रिवर्स पलायन कर आए व्यक्तियों को उनके द्वारा किए गए नौकरी अथवा व्यापार के क्षेत्र में अनुभव एवं कौशल प्राप्त होने से ग्रामीण क्षेत्रों में उनके द्वारा स्थानीय उद्यमिता को बढ़ावा मिला। रिवर्स पलायन कर व्यक्तियों में नई सोच एवं आधुनिक प्रबन्धन के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में परिवर्तन लाने की क्षमता है।
5. **बाजार एवं विपणन**– रिवर्स पलायन कर आए व्यक्तियों को बाजार एवं विपणन का अधिक ज्ञान एवं अनुभव होना उनके द्वारा प्रारम्भ किए गए उद्यम को बढ़ावा देने में सहायक है, जैसे कि ई–कॉमर्स, मंडी आदि।
6. **उत्तराखण्ड की विशेष भौगोलिक स्थिति**– उत्तराखण्ड की विशेष भौगोलिक स्थिति पर्यटन, तीर्थाटन, साहसिक पर्यटन आदि के क्षेत्र से जुड़े उद्यमियों के लिए सहायक है। रिवर्स पलायन करके आए व्यक्तियों द्वारा इन भौगोलिक परिस्थितियों का लाभ लेकर उनके अनुभव के आधार पर विभिन्न उद्यम स्थापित किए गए हैं।

प्रक्रिया और पद्धति

इस रिपोर्ट में अपने गांव/मूल स्थानों पर लौटे रिवर्स पलायन कर आए व्यक्तियों के आंकड़े प्रस्तुत किए गए हैं। इनमें उन व्यक्तियों के आंकड़ें सम्मिलित हैं जो आजीविका के लिये अपने मूल निवास छोड़ कर स्थायी/अस्थायी अवधि के लिये प्रदेश में अथवा अन्य प्रदेशों में/विदेश चले गये थे, किन्तु अब पुनः वापस मूल निवास या आस–पास के अन्य ग्रामीण स्थान पर आ गये हैं।

राज्य के सभी ग्राम पंचायतों में ग्राम्य विकास विभाग के माध्यम से सर्वे कराया गया एवं संबंधित विभागों जैसे कि कृषि, उद्यान, पशुपालन, उद्योग, पर्यटन, मत्स्य, दुग्ध विकास विभाग आदि के राज्य एवं जनपदस्तर से आंकड़े प्राप्त किए गए। आयोग की टीमों द्वारा क्षेत्र भ्रमण से भी संकलित की गयी सूचनाओं को इस सर्वे में सम्मिलित किया गया है। आंकड़ों का विश्लेषण आयोग के पौड़ी स्थित कार्यालय में किया गया है।

अध्याय 2

उत्तराखण्ड - अर्थव्यवस्था

उत्तराखण्ड की अर्थव्यवस्था कृषि, उद्यान, पशुपालन, व्यापार, पर्यटन से जुड़े क्षेत्रों तथा सेवा क्षेत्र पर निर्भर करती है। आंकड़ों के अनुसार प्राथमिक क्षेत्र का योगदान राज्य के GDP में लगभग 9.34 प्रतिशत है। द्वितीय क्षेत्र का योगदान लगभग 44.65 प्रतिशत है, तथा तृतीय क्षेत्र का योगदान लगभग 46 प्रतिशत है। परन्तु राज्य की 65 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या प्राथमिक क्षेत्र से जुड़ी है। जिनका अनुपात पर्वतीय क्षेत्रों में लगभग 75 प्रतिशत है।

भूमिकाः सकल घरेलू उत्पाद जिसे सामान्यतः राज्य आय (State Income) के नाम से भी जाना जाता है, किसी भी राज्य के आर्थिक विकास का सर्वोत्तम मापदण्ड है। यह अनुमान राज्य की अर्थव्यवस्था के आकार को प्रदर्शित करता है। अर्थव्यवस्था को मुख्य रूप से तीन भागों में बांटा गया है– प्राथमिक क्षेत्र, द्वितीय क्षेत्र तथा तृतीय क्षेत्र। तीनों क्षेत्रों के आधार पर राज्य की अर्थव्यवस्था का आंकलन निम्नानुसार किया गया हैः–

राज्य की अर्थव्यवस्था में विभिन्न क्षेत्रों का योगदान

राज्य अर्थव्यवस्था के खण्डवार विश्लेषण के अनुसार वर्ष 2011–12 एवं 2024–25 अनुमान के अनुसार राज्य का कुल राज्य सकल मूल्य वर्द्धन (प्रचलित भाव पर) प्राथमिक, द्वितीय तथा तृतीयक क्षेत्र का तुलनात्मक योगदान चार्ट में दर्शाया गया हैः–

2011–12

Sector	**%**
Primary	14.00
Secondary	52.12
Tertiary	33.88

2024–25

Sector	**%**
Primary	9.34
Secondary	44.65
Tertiary	46.02

राज्य अर्थव्यवस्था की खण्डवार एवं उप–खण्डवार मूल्य वर्द्धन (Value Addition) एवं वृद्धि दरें:

वर्ष 2024–25 के अग्रिम अनुमान के आधार पर विभिन्न क्षेत्रों में योगदान को निम्नानुसार तालिका के माध्यम से दर्शाया गया है।

प्राथमिक क्षेत्र (Primary Sector) :

प्राथमिक क्षेत्र की विभिन्न मदों की चालू मूल्यों पर मद्‌वार उपलब्धियां (मूल्य वर्द्धन तथा वृद्धि दरें) तालिका में प्रदर्शित हैः–

प्रचलित मूल्यांक पर प्राथमिक क्षेत्र के विभिन्न उप–खण्ड़ों के GDP के अनुमान तथा वृद्धि दरें:

प्राथमिक क्षेत्र	प्रचलित मूल्यों पर वर्ष 2024–25		वर्ष 2024–25
मदें	कुल मूल्य वर्द्धन (रू.करोड़ में)	वृद्धि दर (प्रतिशत में)	प्रतिशत अंश
कृषि	11754	7.51	36.48
पशुपालन	8082	6.59	25.08
वानिकी एवं लठ्ठा बनाना	8070	4.38	25.04
मत्स्य पालन	153	12.53	0.48
खनन तथा उत्खनन	4166	10.03	12.93
कुल प्राथमिक क्षेत्र	322225	6.82	100.00

उक्त चार्ट के अनुसार वर्ष 2024–25 में प्रचलित मूल्यों पर प्राथमिक क्षेत्र की उप मदों के अन्तर्गत कृषि का योगदान सर्वाधिक 36.48 प्रतिशत रहा है।

द्वितीयक क्षेत्र (Secondary Sector):

द्वितीयक क्षेत्र में विनिर्माण, निर्माण तथा विद्युत, गैस, जल सम्पूर्ति एवं अन्य उपयोगी सेवाएं सम्मिलित हैं। विनिर्माण के अन्तर्गत खाद्य, कपड़ा, लकड़ी, रबड़, आयरन व स्टील आदि विभिन्न वस्तुओं के विनिर्माण की आर्थिक गतिविधियों को सम्मिलित किया जाता है। वर्ष 2024–25 में द्वितीयक क्षेत्र की 15.50 प्रतिशत की वृद्धि अनुमानित है। प्राथमिक क्षेत्र के खनन् तथा उत्खनन की आर्थिक गतिविधियों को द्वितीयक क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों में सम्मिलित करने पर औद्योगिक क्षेत्र की प्रचलित भाव पर 15.35 प्रतिशत की वृद्धि अनुमानित है। प्रचलित मूल्यों पर द्वितीयक क्षेत्र के विभिन्न उप–खण्ड़ों के मूल्य वर्द्धन के अनुमान तथा वृद्धि दरें तालिका में प्रदर्शित है:–

द्वितीयक क्षेत्र	प्रचलित मूल्यों पर वर्ष 2024–25		वर्ष 2024–25
मदें	कुल मूल्य वर्द्धन (रू.करोड़ में)	वृद्धि दर (प्रतिशत में)	प्रतिशत अंश
विनिर्माण	90.238	12.07	58.86
विद्युत, गैस, जलापूर्ति एवं अन्य उपयोगी सेवाएं	10.973	12.27	7.12
निर्माण	58.882	22.64	34.32
उप योग द्वितीयक क्षेत्र	1,54,092	15.50	100.00
औद्योगिक क्षेत्र	1,58,258	15.35	

उक्त चार्ट के अनुसार वर्ष 2024–25 में प्रचलित मूल्यों पर द्वितीयक क्षेत्र की उप मदों के अन्तर्गत विनिर्माण का योगदान सर्वाधिक 58.56 प्रतिशत रहा है।

तृतीयक क्षेत्र (Tertiary Sector) :

तृतीयक क्षेत्र में परिवहन, भण्डारण, संचार एवं प्रसारण सम्बन्धित सेवाएं व्यापार, होटल एवं जलपान गृह, वित्तीय सेवाएं, स्थावर सम्पदा, व्यावसायिक सेवाएं, लोक प्रशासन तथा अन्य सेवाएं सम्मिलित हैं। वर्ष 2024–25 में पुनरीक्षित अनुमान के अनुसार समग्र तृतीयक क्षेत्र में 10.78 प्रतिशत की वृद्धि अनुमानित है।

प्रचलित मूल्यों पर तृतीयक क्षेत्र के विभिन्न उप–खण्डों के मूल्य वर्द्धन के अनुमान तथा वृद्धि दरें तालिका में प्रदर्शित हैः–

तृतीयक क्षेत्र	प्रचलित मूल्यों पर वर्ष 2024–25		वर्ष 2024–25
मदें	कुल मूल्य वर्द्धन (रू.करोड़ में)	वृद्धि दर (प्रतिशत में)	प्रतिशत अंश
परिवहन, भंडारण, संचार एवं प्रसारण से संबंधित सेवायें	29,965	11.32	18.87
व्यापार, होटल एवं जलपान गृह	60,594	8.64	38.15
वित्तीय सेवायें	11,031	14.74	6.95
स्थावर सम्पदा, आवास का स्वामित्व एवं व्यावसायिक सेवायें	19,325	12.09	12.17
लोक प्रशासन	14,817	14.76	9.33
अन्य सेवायें	23,080	10.42	14.53
उप योग तृतीयक क्षेत्र	**1,58,812**	**10.78**	**100.00**

उक्त चार्ट के अनुसार वर्ष 2024–25 में प्रचलित मूल्यों पर तृतीयक क्षेत्र की उप मदों के अन्तर्गत व्यापार, होटल एवं जलपान गृह का योगदान सर्वाधिक 38.15 प्रतिशत रहा है।

सकल राज्य घरेलू उत्पाद (प्रचलित भाव पर) Gross State Domestic Product (at Current Prices):

वर्ष 2024–25 के अग्रिम अनुमान के अनुसार प्रचलित भाव पर राज्य का सकल घरेलू उत्पाद पिछले वर्ष 2023–24 (संशोधित) के रू 3,32,998 करोड़ की तुलना में रू 3,78,245 करोड़ अनुमानित है, जो कि 13. 59 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। राज्य की अर्थव्यवस्था में मुख्य रूप से योगदान विनिर्माण (26.15%), व्यापार होटल एवं जलपान गृह (17.56%), निर्माण (15.32%), तथा परिवहन, भंडारण, संचार एवं प्रसारण (8.68%) से संबंधित सेवा आदि आर्थिक गतिविधियों को जाता है। राज्य आय के अनुमान विभिन्न वित्तीय संस्थाओं, गैर वित्तीय संस्थाओं, सरकारी, निजी, गैर सरकारी उपक्रमों, स्थानीय निकायों, पारिवारिक उद्यमों आदि की आर्थिक गतिविधियों का आंकलन कर राज्य उत्पाद के आंकड़े तैयार किये जाते हैं।

प्रति व्यक्ति आय (Per Capita Income):

राज्य निवल घरेलू उत्पाद (Net State Domestic Product) के आधार पर वर्ष 2024–25 अग्रिम अनुमानों में उत्तराखण्ड की प्रतिव्यक्ति आय प्रचलित भावों पर रू 2,74,064 अनुमानित है। भारत की प्रति व्यक्ति आय रू 2,00,162 अनुमानित है।

अध्याय 3

पलायन की स्थिति
वर्ष 2018

(आयोग की वर्ष 2018 की अंतरिम रिपोर्ट पर आधारित)

इस अध्याय में, राज्य के विभिन्न ग्राम पंचायतों में वर्ष 2018 में आयोग द्वारा किए गए सर्वेक्षण के आधार पर एकत्र किए गए आंकड़ों का विश्लेषण राज्य में वर्ष 2018 में पलायन की स्थिति पर प्रकाश डालने के लिए प्रस्तुत किया गया है।

I - मुख्य व्यवसाय

राज्य के विभिन्न गांवों में रहने वाले लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि है; इसके बाद श्रम और सरकारी सेवा है। ग्राम पंचायत स्तर से प्राप्त आंकड़े, जिला और राज्य औसत नीचे दी गई सारणी में प्रस्तुत किये गए हैं:

Gram panchayat level main occupation(district average)

जनपद का नाम	ग्राम पंचायतों का मुख्य व्यवसाय (लगभग प्रतिशत में)					
	मजदूरी	कृषि	उद्यान	डेरी	सरकारी सेवा	अन्य कार्य
Uttarkashi	22.56	55.32	6.23	0.99	9.40	5.50
Chamoli	28.85	47.24	0.62	1.40	16.22	5.68
Rudraprayag	31.43	43.26	0.73	0.57	15.19	8.81
Tehri Garhwal	30.32	50.04	0.82	1.47	7.83	9.52
Dehradun	28.14	45.48	2.93	2.22	9.56	11.68
Pauri Garhwal	38.67	38.81	0.92	1.06	12.75	7.78
Pithoragarh	27.17	40.78	2.16	4.44	15.13	10.31
Bageswar	29.70	42.55	1.52	1.79	14.35	10.09
Almora	34.13	39.35	1.51	3.66	10.86	10.50
Champawat	34.23	42.41	2.29	7.22	6.48	7.37
Nainital	26.27	44.41	8.41	6.44	8.70	5.76
Udhamsingh Nagar	45.61	37.64	1.23	2.95	3.67	8.89
Haridwar	42.01	42.98	1.26	2.65	3.28	7.81

Gram panchayat level main occupation(State average)

	ग्राम पंचायतों का मुख्य व्यवसाय (लगभग प्रतिशत में)					
	मजदूरी	कृषि	उद्यान	डेरी	सरकारी सेवा	अन्य कार्य
Uttarakhand	32.22	43.59	2.11	2.64	10.82	8.63

II - अस्थायी और स्थायी पलायन

वर्ष 2008 से वर्ष 2018 के बीच 6338 ग्राम पंचायतों सें कुल 383726 व्यक्तियों ने अस्थायी रूप से पलायन किया है, हालांकि वे समय–समय पर गांवों में अपने घर आते हैं और स्थायी रूप से स्थानांतरित नहीं हुए हैं। वर्ष 2008–2018 के बीच 3946 ग्राम पंचायतों से 118981 व्यक्तियों द्वारा स्थायी पलायन किया गया है। आंकड़े दर्शाते है कि राज्य के सभी जिलों में स्थायी प्रवासियों की तुलना में अधिक अस्थायी प्रवासियों की संख्या हैं।

District wise migrants in last 10 years from gram panchayats (2008-2018)

जनपद का नाम	ग्राम पंचायतों की कुल संख्या (जहाँ से पूर्ण रूपेण पलायन न किया हो/ घर में आना–जाना लगा रहता हो/अस्थाई रूप से रोजगार के लिए बाहर हो)	पिछले 10 वर्षो में पलायन करने वाले कुल व्यक्तियों की संख्या (जिन्होने पूर्ण रूपेण पलायन न किया हो/ घर में आना–जाना लगा रहता हो/अस्थाई रूप से रोजगार के लिए बाहर हो)	ग्राम पंचायतों की कुल संख्या (जहाँ से पूर्ण रूप से पलायन हो चुका हो या अपनी जमीन बेच चुके हो/अथवा भूमि बंजर पड़ी हो/घरों पर ताले लगे हो/तथा बहुत कम गॉव आना होता हो)	पिछले 10 वर्षो में पूर्ण पलायन करने वाले कुल व्यक्तियों की संख्या (जो पूर्ण रूप से पलायन कर चुके हो या अपनी जमीन बेच चुके हो/अथवा भूमि बंजर पड़ी हो/घरों पर ताले लगे हो/तथा बहुत कम गॉव आना होता हो):
Uttarkashi	376	19,893	111	2,727
Chamoli	556	32,020	373	14,289
Rudraprayag	316	22,735	230	7,835
Tehri Garhwal	934	71,509	585	18,830
Dehradun	231	25,781	53	2,802
Pauri Garhwal	1,025	47,488	821	25,584
Pithoragarh	589	31,786	384	9,883
Bageswar	346	23,388	195	5,912
Almora	1,022	53,611	646	16,207
Champawat	304	20,332	208	7,886
Nainital	339	20,951	213	4,823
Udhamsingh Nagar	147	6,064	54	952
Haridwar	153	8,168	73	1,251
Total	**6,338**	**383,726**	**3,946**	**118,981**

State wise migrants in last 10 years from gram panchayats (2008-2018)

	ग्राम पंचायतों की कुल संख्या (जहाँ से पूर्ण रूपेण पलायन न किया हो/ घर में आना–जाना लगा रहता हो/अस्थाई रूप से रोजगार के लिए बाहर हो)	पिछले 10 वर्षो में पलायन करने वाले कुल व्यक्तियों की संख्या (जिन्होने पूर्ण रूपेण पलायन न किया हो/ घर में आना–जाना लगा रहता हो/अस्थाई रूप से रोजगार के लिए बाहर हो)	ग्राम पंचायतों की कुल संख्या (जहाँ से पूर्ण रूप से पलायन हो चुका हो या अपनी जमीन बेच चुके हो/अथवा भूमि बंजर पड़ी हो/घरों पर ताले लगे हो/तथा बहुत कम गॉव आना होता हो)	पिछले 10 वर्षो में पूर्ण पलायन करने वाले कुल व्यक्तियों की संख्या (जो पूर्ण रूप से पलायन कर चुके हो या अपनी जमीन बेच चुके हो/अथवा भूमि बंजर पड़ी हो/घरों पर ताले लगे हो/तथा बहुत कम गॉव आना होता हो):
Uttarakhand	6,338	383,726	3,946	118,981

III -पलायन के मुख्य कारण

पलायन का मुख्य कारण आजीविका/रोजगार; शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं की कमी की समस्या है। नीचे दी गई सारणियो में विस्तृत आंकड़े प्रस्तुत किये गए हैं।

District wise main reasons for migration from gram panchayats

जनपद का नाम	ग्राम पंचायत से पलायन के कारण (लगभग प्रतिशत में)							
	आजीविका/रोजगार की समस्या (प्रतिशत)	चिकित्सा सुविधा का आभाव (प्रतिशत)	शिक्षा सुवधिा का आभाव (प्रतिशत)	इन्फ्रास्ट्रक्चर (सड़क, बिजली, पानी व अन्य का आभाव) (प्रतिशत)	कृषि भूमी में उत्पादकता/पैदावार की कमी (प्रतिशत)	परिवार/सगे संम्बन्धियों की देखा–देखी पलायन करना (प्रतिशत)	जंगली जानवरों के द्वारा कृषि को हानि पहुंचाने करने के कारण (प्रतिशत)	अन्य कोई विशेष कारण (प्रतिशत)
Uttarkashi	41.77	6.04	17.44	2.29	7.14	2.10	4.04	19.17
Chamoli	49.30	10.83	19.73	4.93	4.73	2.51	3.09	4.87
Rudraprayag	52.90	8.64	15.67	4.43	4.27	3.26	5.11	5.72
Tehri Garhwal	52.43	7.84	18.24	3.07	6.17	2.47	4.26	5.52
Dehradun	56.13	6.33	12.50	1.20	2.08	1.40	1.65	18.70
Pauri Garhwal	52.58	11.26	15.78	3.03	5.35	2.53	6.27	3.21
Pithoragarh	42.81	10.13	19.52	4.97	4.66	2.36	4.08	11.48
Bageswar	41.39	9.09	14.49	4.32	2.18	1.45	3.42	23.65
Almora	47.78	8.61	11.75	3.81	8.37	2.68	10.99	6.02
Champawat	54.90	6.67	10.24	5.46	6.31	4.30	6.65	5.46
Nainital	53.70	7.79	10.37	4.96	4.94	2.10	6.38	9.76
Udhamsingh Nagar	65.63	4.27	3.52	0.60	0.38	5.40	2.60	17.60
Haridwar	76.60	1.62	2.73	0.05	0.64	1.69	0.82	15.85
Uttarakhand	50.16	8.83	15.21	3.74	5.44	2.52	5.61	8.48

IV - प्रवासियों की उम्र

यह खंड ग्राम पंचायतों से प्रवासियों की उम्र का विश्लेषण करता है। प्रवासियों में 42% से अधिक 26 से 35 वर्ष की आयु के बीच हैं। विभिन्न ब्लॉक और जिलों की विस्तृत जानकारी नीचे सारणियो में दी गई है:

District and Age wise Migration Status from gram panchayats

जनपद का नाम	ग्राम पंचायत से पलायन करने वालों की आयु (लगभग प्रतिशत में)		
	25 साल से कम आयु वर्ग (वर्तमान में)	26 से 35 आयु वर्ग (वर्तमान में)	35 साल से अधिक आयु वर्ग (वर्तमान में)
Uttarkashi	30.68	36.56	32.77
Chamoli	26.71	43.49	29.79
Rudraprayag	28.97	41.83	29.20
Tehri Garhw-al	29.26	40.92	29.82
Dehradun	38.41	34.47	27.12
Pauri Garhwal	29.23	41.67	29.10
Pithoragarh	28.32	42.58	29.10

District and Age wise Migration Status from gram panchayats			
जनपद का नाम	ग्राम पंचायत से पलायन करने वालों की आयु (लगभग प्रतिशत में)		
	25 साल से कम आयु वर्ग (वर्तमान में)	26 से 35 आयु वर्ग (वर्तमान में)	35 साल से अधिक आयु वर्ग (वर्तमान में)
Bageswar	33.92	42.10	23.97
Almora	29.19	42.22	28.59
Champawat	25.23	45.49	29.29
Nainital	29.48	44.57	25.96
Udhamsingh Nagar	16.66	43.34	40.00
Haridwar	13.99	52.79	33.22

State and Age wise Migration Status from gram panchayats			
	ग्राम पंचायत से पलायन करने वालों की आयु (लगभग प्रतिशत में)		
State	25 साल से कम आयु वर्ग (वर्तमान में)	26 से 35 आयु वर्ग (वर्तमान में)	35 साल से अधिक आयु वर्ग (वर्तमान में)
Uttarakhand	28.66	42.25	29.09

V - प्रवासियों का गंतव्य

यह खंड ग्राम पंचायतों से प्रवासियों के गंतव्य के विश्लेषण के परिणाम प्रस्तुत करता है। लगभग 35% प्रवासी राज्य के अन्य जिलों में चले गए हैं जबकि 28% राज्य से बाहर प्रवास कर चुके हैं:

District wise destination of migrants from Gram Panchayats					
जनपद का नाम	ग्राम पंचायत से पलायन कहॉ किया गया (लगभग प्रतिशत में)				
	नजदीकी कस्बों में	जनपद मुख्यालय	राज्य के अन्य जनपदों में	राज्य से बाहर	देश से बाहर
Uttarkashi	39.14	20.27	22.37	17.34	0.89
Chamoli	19.79	13.34	50.48	15.88	0.51
Rudraprayag	19.34	12.66	40.51	25.69	1.80
Tehri Garhwal	17.73	9.42	40.78	28.98	3.09
Dehradun	57.12	23.67	8.08	10.46	0.67
Pauri Garhwal	19.61	9.55	36.15	34.15	0.54
Pithoragarh	15.70	33.07	34.33	16.67	0.23
Bageswar	15.45	22.00	37.19	25.18	0.19
Almora	7.13	13.00	32.37	47.08	0.43
Champawat	14.00	16.86	36.24	32.59	0.30
Nainital	35.49	17.93	21.47	24.64	0.47
Udhamsingh Nagar	27.48	8.48	28.04	31.11	4.89
Haridwar	44.27	18.29	16.10	20.85	0.49

State wise destination of migrants from Gram Panchayats					
State	ग्राम पंचायत से पलायन कहाँ किया गया (लगभग प्रतिशत में)				
	नजदीकी कस्बों में	जनपद मुख्यालय	राज्य के अन्य जनपदों में	राज्य से बाहर	देश से बाहर
Uttarakhand	19.46	15.18	35.69	28.72	0.96

VI – वर्ष 2011 से वर्ष 2018 के बीच पलायन से निर्जन गांवों की स्थिति

जिलावार गांवों/तोकों की संख्या के सारांश का विवरण प्रस्तुत है जो वर्ष 2011 की जनगणना के बाद निर्जन हुए है।

District wise Number of uninhabited villages/toks at Gram Panchayat Level (De-populated After 2011-2018)	
जनपद का नाम	कुल ग्राम /तोक (2018 में)
Uttarkashi	70
Chamoli	41
Rudraprayag	20
Tehri Garhwal	58
Dehradun	7
Pauri Garhwal	186
Pithoragarh	75
Bageswar	77
Almora	57
Champawat	64
Nainital	22
Udhamsingh Nagar	19
Haridwar	38
Total (state)	**734**

अध्याय 4

पलायन की स्थिति
वर्ष 2022

इस अध्याय में राज्य के कुल 95 विकासखण्डों के अन्तर्गत मात्र 7759 ग्राम पंचायतों के ग्रामों/तोकों/मजरों में ग्राम्य विकास विभाग के माध्यम से किये गये राज्यस्तरीय द्वितीय पलायन सर्वेक्षण से प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण से ग्रामीण अर्थव्यवस्था, मुख्य व्यवसाय, पलायन की स्थिति तथा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार की स्थिति प्रस्तुत हैं :—

मुख्य व्यवसाय

राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था कृषि/बागवानी/पशुपालन के साथ—साथ मजदूरी व अन्य, स्वरोजगार और सरकारी सेवा पर आधारित है। आयोग द्वारा करवाये गये राज्यस्तरीय द्वितीय सर्वेक्षण से प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि राज्यान्तर्गत 7759 ग्राम पंचायतों में रहने वाले ग्रामीणों की आय का मुख्य साधन 45.07% औसतन कृषि/बागवानी/ पशुपालन है जो पलायन निवारण आयोग की अप्रैल 2018 में प्रकाशित अंतरिम रिपोर्ट की अपेक्षा 1.82% औसतन कम है। इसके बाद आय का मुख्य साधन मनरेगा, मजदूरी एवं अन्य है। राज्य में ग्रामीणों द्वारा स्वरोजगार को आय के मुख्य साधन के रूप में 8.59% औसतन अपनाया गया। आय के मुख्य साधन हेतु ग्राम पंचायत स्तर से प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण का राज्य एवं जिलेवार आंकड़ें नीचे दी गई सारणी में प्रस्तुत किये गए है :—

राज्यान्तर्गत वर्ष 2022 में ग्राम पंचायतों में ग्रामीणों की आय का मुख्य साधन (लगभग प्रतिशात में) का जनपदवार विवरण

क्र0 स0	जनपद	विकासखण्ड	सर्वेक्षित ग्राम पंचायत	कृषि/ बागवानी/ पशुपालन	मनरेगा	सरकारी नौकरी	स्वरोजगार एवं अन्य	मजदूरी
1	अल्मोडा	11	1158	46.23%	21.24%	6.78%	7.64%	18.11%
2	बागेश्वर	3	401	41.59%	19.94%	10.21%	8.71%	19.54%
3	चमोली	9	609	41.44%	27.18%	13.10%	7.40%	10.88%
4	चम्पावत	4	313	50.78%	22.81%	4.86%	6.01%	15.55%
5	देहरादून	6	393	47.03%	17.12%	8.05%	10.08%	17.71%
6	हरिद्वार	6	296	58.74%	9.05%	2.82%	8.69%	20.70%
7	नैनीताल	8	479	51.94%	16.26%	8.29%	7.87%	15.64%
8	पौड़ी गढ़वाल	15	1172	30.16%	39.01%	9.09%	7.82%	13.93%
9	पिथौरागढ़	8	685	36.00%	25.39%	12.56%	9.35%	16.70%
10	रूद्रप्रयाग	3	336	35.25%	26.12%	11.01%	12.35%	15.27%
11	टिहरी गढ़वाल	9	1034	37.93%	33.97%	6.79%	8.63%	12.68%
12	ऊधमसिंह नगर	7	375	51.34%	11.84%	4.60%	10.83%	21.38%
13	उत्तरकाशी	6	508	57.50%	19.94%	7.20%	6.28%	9.08%
राज्योग		**95**	**7759**	**45.07%**	**22.30%**	**8.11%**	**8.59%**	**15.94%**

पलायन

अस्थायी पलायन

आयोग के द्वितीय राज्यस्तरीय पलायन संबंधी ग्रामीण सर्वेक्षण में वर्ष 2018 से सितम्बर 2022 तक अस्थायी पलायन के कारण प्रभावित ग्राम पंचायतों से विस्थापित जनसंख्या हेतु प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि राज्य के 92 विकासखण्डों की 6436 ग्राम पंचायतों से कुल 307310 व्यक्तियों द्वारा अस्थायी पलायन किया गया। संबंधित आंकड़ों की स्पष्टता एवं सारांश निम्नवत प्रस्तुत किया गया है :–

राज्य में वर्ष 2018 के बाद अस्थायी पलायन की वजह से प्रभावित ग्राम पंचायतों से विस्थापित व्यक्तियों का जनपद एवं विकासखण्डवार विवरण				
क्र0 स0	जनपद	विकासखण्ड	प्रभावित ग्राम पंचायत	अस्थायी पलायन करने वाले व्यक्तियों की कुल संख्या (जिन्होने पूर्ण रूपेण पलायन न किया हो/घर आना–जाना लगा रहता हो/अस्थायी रूप से रोजगार के लिए बाहर हो)
1	अल्मोडा	11	1090	5451 9
2	टिहरी गढ़वाल	9	906	41359
3	पौड़ी गढ़वाल	15	1057	29093
4	हरिद्वार	4	179	28087
5	पिथौरागढ़	8	585	25715
6	नैनीताल	8	410	20863
7	उत्तरकाशी	6	377	19649
8	ऊधमसिंह नगर	6	191	19583
9	चमोली	9	478	16326
10	रूद्रप्रयाग	3	300	14593
11	बागेश्वर	3	380	14503
12	चम्पावत	4	263	13711
13	देहरादून	6	220	9309
राज्योग		**92**	**6436**	**307310**

आयोग की प्रथम एवं द्वितीय राज्यस्तरीय पलायन सर्वेक्षण में अस्थायी पलायन (जिन्होंने पूर्ण रूपेण पलायन न किया हो/घर आना–जाना लगा रहता है/ अस्थायी रूप से रोजगार के लिए बाहर हो) में हुए बदलाव का जनपदवार विवरण			
क्र0स0	जनपद	राज्य में वर्ष 2011 से वर्ष 2018 के मध्य ग्राम पंचायतों से अस्थायी पलायन	राज्य में वर्ष 2018 से वर्ष 2022 के मध्य ग्राम पंचायतों से अस्थायी पलायन
		अस्थायी पलायन करने वाले व्यक्तियों की कुल संख्या	अस्थायी पलायन करने वाले व्यक्तियों की कुल संख्या
1	हरिद्वार	8168	28087
2	उधमसिंह नगर	6064	19583
3	अल्मोडा	53611	54519
4	नैनीताल	20951	20863

5	उत्तरकाशी	19893	19649
6	पिथौरागढ़	31786	25715
7	चम्पावत	20332	13711
8	रूद्रप्रयाग	22735	14593
9	बागेश्वर	23388	14503
10	पौड़ी	47488	29093
11	टिहरी	71509	41359
12	चमोली	32020	16326
13	देहरादून	25781	9309
योग उत्तराखण्ड		**383726**	**307310**

स्थायी पलायन

आयोग के द्वितीय राज्यस्तरीय पलायन संबंधी ग्रामीण सर्वेक्षण में वर्ष 2018 के बाद स्थायी पलायन के प्रभाव से प्रभावित ग्राम पंचायतों से प्रभावित जनसंख्या हेतु प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि राज्य के 77 विकासखण्डों की 2067 ग्राम पंचायतों से कुल 28631 व्यक्तियों द्वारा स्थायी पलायन किया गया। संबंधित आंकड़ों की स्पष्टता एवं सारांश निम्नवत सारणी में प्रस्तुत किया गया है :–

राज्य में वर्ष 2018 के बाद स्थायी पलायन की वजह से प्रभावित ग्राम पंचायतों से विस्थापित व्यक्तियों का जनपद विकासखण्डवार विवरण				
क्र0स0	जनपद	विकासखण्ड	ग्राम पंचायतों की संख्या	स्थायी पलायन करने वाले व्यक्तियों की कुल संख्या (जो पूर्ण रूप से पलायन कर चुके हो/अपनी जमीन बेच चुके हों अथवा भूमि बंजर पड़ी हो/घरों पर ताले लगे हों तथा बहुत कम गांव आना होता हो)
1	अल्मोडा	11	407	5926
2	टिहरी गढ़वाल	9	350	5653
3	पौड़ी गढ़वाल	15	467	5474
4	नैनीताल	6	152	2014
5	चमोली	7	151	1722
6	पिथौरागढ़	7	173	1713
7	चम्पावत	3	90	1588
8	बागेश्वर	3	93	1403
9	हरिद्वार	3	26	1029
10	उत्तरकाशी	5	78	900
11	रूद्रप्रयाग	3	71	715
12	देहरादून	3	7	312
13	ऊधमसिंह नगर	2	2	82
राज्योग		**77**	**2067**	**28531**

आयोग की प्रथम एवं द्वितीय राज्यस्तरीय अंतरिम सर्वेक्षणों में स्थायी पलायन की भिन्नता :–आयोग द्वारा सर्वेक्षित दोनों सर्वेक्षणों में स्थायी पलायन के प्रभाव से प्रभावित जनसांख्यिकी आंकड़ों के विश्लेषण से निम्नवत स्पष्टता होती है एवं संबंधित आंकड़ों का सारांश निम्नवत सारणी में प्रदर्शित किया गया है :–

आयोग की प्रथम एवं द्वितीय राज्यस्तरीय पलायन सर्वेक्षण में स्थायी पलायन (जो पूर्ण रूप से पलायन कर चुके हो/अपनी जमीन बेच चुके हों अथवा भूमि बंजर पड़ी हो/घरों पर ताले लगे हों तथा बहुत कम गांव आना होता हो) में हुए बदलाव का जनपदवार विवरण			
क्र0स0	जनपद	राज्य में वर्ष 2011 से 2018 के मध्य ग्राम पंचायतों से स्थायी पलायन	राज्य में वर्ष 2018 से वर्ष 2022 के मध्य ग्राम पंचायतों से स्थायी पलायन
		स्थायी पलायन करने वाले व्यक्तियों की कुल संख्या	स्थायी पलायन करने वाले व्यक्तियों की कुल संख्या
1	हरिद्वार	1251	1029
2	नैनीताल	4823	2014
3	अल्मोडा	16207	5926
4	उत्तरकाशी	2727	900
5	टिहरी गढ़वाल	18830	5653
6	बागेश्वर	5912	1403
7	पौड़ी गढ़वाल	25584	5474
8	चम्पावत	7886	1588
9	पिथौरागढ़	9883	1713
10	चमोली	14289	1722
11	देहरादून	2802	312
12	रूद्रप्रयाग	7835	715
13	ऊधमसिंह नगर	952	82
उत्तराखण्ड		**118981**	**28531**

राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में पलायन के प्रभाव से प्रभावित ग्राम/तोक/मजरा

आयोग द्वारा करवाये गये द्वितीय राज्यस्तरीय पलायन सर्वेक्षण हेतु प्राप्त आंकड़ों के अध्ययन से ज्ञात होता है कि राज्य में वर्ष 2018 के बाद 24 राजस्व ग्राम/तोक/मजरे निर्जन (आबादी रहित) हुए हैं, 398 राजस्व ग्राम/तोक/मजरा जहाँ जनवरी 2018 के बाद अन्य गांव/शहर/कस्बों/राज्यों से लोग पलायन कर उस गांव में आकर स्थाई/अस्थाई रूप से बसे हैं तथा 09 राजस्व ग्राम/तोक/मजरा जहाँ की आबादी जनवरी 2018 के पश्चात् 50 प्रतिशत कम हुई है। आंकड़ों के विश्लेषण से निम्नवत स्पष्टता होती है एवं संबंधित आंकड़ों का सारांश निम्नवत सारणीबद्धकर प्रदर्शित किये गये हैं :–

निर्जन ग्राम

राज्य में जनवरी 2018 के बाद ग्राम पंचायत के ऐसे ग्राम/तोक/मजरा जो निर्जन (आबादी रहित) हो गए हैं, का जनपदवार विवरण		
क्र0स0	जनपद	ग्राम/तोक/मजरों की संख्या
1	टिहरी गढ़वाल	9
2	चम्पावत	5
3	पौड़ी गढ़वाल	3
4	पिथौरागढ़	3
5	अल्मोडा	2
6	चमोली	2
राज्योग		**24**

ऐसे ग्राम/तोक/मजरा जहाँ जनवरी 2018 के बाद अन्य गांव/शहर/कस्बों/राज्यों सें पलायन कर लोग उस गांव में आकर स्थाई/अस्थाई रूप से बसे हो

राज्य में ग्राम पंचायत में कुल ऐसे ग्राम/तोक/मजरा जहाँ जनवरी 2018 के बाद अन्य गांव/शहर/कस्बों/राज्यों सें पलायन कर लोग उस गांव में आकर स्थाई/अस्थाई रूप से बसे हो का जनपद एवं विकासखण्डवार विवरण		
क्र0स0	जनपद	राजस्व ग्राम/तोक/मजरों की संख्या
1	नैनीताल	121
2	देहरादून	101
3	ऊधमसिंह नगर	86
4	पिथौरागढ़	26
5	हरिद्वार	18
6	चम्पावत	13
7	अल्मोडा	12
8	बागेश्वर	5
9	पौड़ी गढ़वाल	5
10	टिहरी गढ़वाल	5
11	उत्तरकाशी	3
12	रूद्रप्रयाग	2
13	चमोली	1
राज्योग		**398**

प्रवासियों का गंतव्य

यह खण्ड राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों से प्रवासियों के गंतव्य के विश्लेषण के परिणाम प्रस्तुत करता है। लगभग 35% प्रवासी नजदीकी कस्बों में गये हैं जबकि लगभग 24% प्रवासी राज्य के अन्य जनपदों में एवं लगभग 22% प्रवासी राज्य से बाहर प्रवास कर रहें हैं। आंकड़ों के विश्लेषण से निम्नवत स्पष्टता होती है एवं संबंधित आंकड़ों के सारांश निम्नवत सारणी में प्रदर्शित किये गये हैं :–

राज्य में वर्ष जनवरी 2018 के पश्चात् ग्राम पंचायत से अस्थायी एवं स्थायी पलायन कहाँ किया गया का जनपदवार विवरण(लगभग प्रतिशत में)						
क्र0स0	जनपद	नजदीकी कस्बों में	जनपद मुख्यालय में	राज्य के अन्य जनपदों में	राज्य से बाहर	देश से बाहर
1	अल्मोडा	20.41%	13.02%	27.19%	38.67%	0.72%
2	बागेश्वर	27.07%	20.06%	26.99%	24.88%	1.00%
3	चमोली	36.36%	18.99%	32.06%	12.03%	0.56%
4	चम्पावत	30.90%	18.57%	20.63%	29.44%	0.46%
5	देहरादून	54.24%	25.62%	8.43%	11.57%	0.14%
6	हरिद्वार	54.52%	16.08%	17.72%	10.23%	1.45%
7	नैनीताल	52.34%	15.84%	15.54%	15.59%	0.69%
8	पौड़ी गढवाल	18.31%	8.32%	35.89%	36.99%	0.48%
9	पिथौरागढ़	25.31%	24.38%	27.85%	21.93%	0.54%
10	रूद्रप्रयाग	21.27%	12.62%	32.66%	29.30%	4.14%

11	टिहरी गढवाल	30.64%	13.66%	30.34%	22.20%	3.17%
12	ऊधमसिंह नगर	38.27%	23.34%	14.51%	21.83%	2.04%
13	उत्तरकाशी	51.42%	21.71%	17.14%	8.69%	1.04%
राज्योग		**35.47%**	**17.86%**	**23.61%**	**21.80%**	**1.26%**
2018 में प्रथम पलायन संबंधी सर्वेक्षण का राज्योग		19.46%	15.18%	35.69%	28.72%	0.96%
प्रथम व द्वितीय सर्वेक्षण में बदलाव		**16.01%**	**2.68%**	**-12.08%**	**-6.92%**	**0.30%**

राज्य में वर्ष 2011 से जनवरी 2018 तथा वर्ष जनवरी 2018 से सितम्बर 2022 के मध्य पलायन के गन्तव्यों में बदलाव का जनपदवार विवरण						
क्र0स0	जनपद	नजदीकी कस्बों में	जनपद मुख्यालय में	राज्य के अन्य जनपदों में	राज्य से बाहर	देश से बाहर
1	हरिद्वार	10.25%	-2.21%	1.62%	-10.62%	0.96%
2	देहरादून	-2.88%	1.95%	0.35%	1.11%	-0.53%
3	नैनीताल	16.85%	-2.09%	-5.93%	-9.05%	0.22%
4	उत्तरकाशी	12.28%	1.44%	-5.23%	-8.65%	0.15%
5	ऊधमसिंह नगर	10.79%	14.86%	-13.53%	-9.28%	-2.85%
6	चमोली	16.57%	5.65%	-18.42%	-3.85%	0.05%
7	चम्पावत	16.90%	1.71%	-15.61%	-3.15%	0.16%
8	टिहरी गढवाल	12.91%	4.24%	-10.44%	-6.78%	0.08%
9	बागेश्वर	11.62%	-1.94%	-10.20%	-0.30%	0.81%
10	पिथौरागढ़	9.61%	-8.69%	-6.48%	5.26%	-22.46%
11	रूद्रप्रयाग	1.93%	-0.04%	-7.85%	3.61%	2.34%
12	अल्मोडा	13.28%	0.02%	-5.18%	-8.41%	0.29%
13	पौड़ी गढवाल	-1.30%	-1.23%	-0.26%	2.84%	-0.06%
राज्योग		**16.01%**	**2.68%**	**-12.08%**	**-6.92%**	**0.30%**

स्वरोजगार

यह खण्ड राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में वर्ष 2018 के बाद स्थापित हुए उद्यमों का विश्लेषण प्रस्तुत करता है। राज्य में 95 विकासखण्डों के अन्तर्गत मात्र 5837 ग्राम पंचायतों के अन्तर्गत दुकान (बहुउद्देशीय), दुग्ध उत्पादन, सब्जी उत्पादन और टैक्सी सेवा के क्रमवत 23.2%, 18.7%, 17.2% व 11.9% उद्यम स्थापित होने के आंकड़ें अन्य उद्यमों की अपेक्षा अधिक प्राप्त हुए। उद्यमों हेतु प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण का सारांश सूक्ष्म लघु उद्यमवार निम्नवत प्रस्तुत किया गया है :–

वर्ष जनवरी 2018 के बाद राज्य में स्थापित सूक्ष्म लघु व्यवसाय का जनपदवार योगदान विवरण (लगभग प्रतिशत में)		
क्र0स0	स्थापित उद्यम	योगदान प्रतिशत
1	दुकान (बहुउद्देशीय)	23.24%
2	दुग्ध उत्पादन	18.71%
3	सब्जी उत्पादन	17.24%
4	टैक्सी सेवा	11.91%
5	अन्य	8.33%

6	होटल	4.32%
7	फास्ट फूड कॉर्नर	3.91%
8	पॉल्ट्रीफार्म	2.47%
9	कम्प्यूटर सेवा सर्विस	1.95%
10	होमस्टे	1.58%
11	हार्डवेयर की दुकान	1.53%
12	गारमेन्ट्स की दुकान	1.51%
13	मोबाइलस्टोर / रिपेयर	1.38%
14	ऑटोमोबाइल	0.83%
15	मशरूम	0.72%
16	ईकोपर्यटन	0.36%
योग		100%

अध्याय 5

प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में अगस्त 2025 तक रिवर्स पलायन के प्रारम्भिक आंकड़े एवं विश्लेषण

उत्तराखण्ड के लिए पलायन एक दीर्घकालिक सामाजिक–आर्थिक चुनौती है, विशेषकर पर्वतीय एवं दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में। गांवों से निरन्तर हो रहे पलायन ने अनेक क्षेत्रों को प्रभावित किया है, जिससे न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था कमजोर हो रही है, बल्कि पारंपरिक संस्कृति और सामुदायिक परस्परता भी प्रभावित होती है।

- ऐसे समय में रिवर्स पलायन अर्थात् जो लोग प्रदेश के ग्रामीण अंचलों में वापस लौटे हैं, एक सकारात्मक संकेत है। ये लोग वापसी के बाद अपने गांव या आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में लौटकर कृषि, पशुपालन, पर्यटन, स्वरोजगार तथा अन्य स्थानीय संसाधन आधारित गतिविधियों से जुड़ने लगे हैं।
- ग्राम्य विकास एवं पलायन निवारण आयोग, उत्तराखण्ड राज्य में पलायन के कारणों के अध्ययन, समाधान की रणनीतियों एवं नीतिगत सुझावों पर लगातार कार्य कर रहा है। आयोग द्वारा ग्राम्य विकास, पर्यटन, पशुपालन, डेयरी, उरेडा, कृषि, उद्यान, सहकारिता, मत्स्य, उद्योग विभागों के साथ–साथ मा0 सदस्यों द्वारा उपलब्ध आंकड़ों का प्रारम्भिक संकलन किया गया। अगस्त 2025 तक संकलित आंकड़ों के अनुसार राज्य के **13** जनपदों में कुल **6282** रिवर्स पलायन कर आए लोग गांवों की ओर लौटे हैं और आजीविका से जुड़ने लगे हैं।
- इन आंकड़ों का जनपदवार विश्लेषण नीचे दिये गये तालिका, बार चार्ट और पाई चार्ट में किया गया है। यह विश्लेषण नीति–निर्माण में उपयोगी सिद्ध होगा। जनपद स्तर के समस्त रेखीय विभाग, इन प्रवासियों को अवसर, प्रशिक्षण और संसाधन उपलब्ध कराकर स्थायी पुनर्वास और ग्रामीण पुनरूत्थान को एक नई दिशा देने में कार्य कर रहे हैं।

प्रदेश में रिवर्स पलायन–जनपदवार विश्लेषण (प्रारम्भिक स्थिति–अगस्त, 2025 तक)

1. उत्तराखण्ड के ग्रामीण क्षेत्रों में अगस्त 2025 तक कुल **6282** पलायन कर गये व्यक्ति लौटे हैं, जिन्होने अपने गांव या समीपवर्ती क्षेत्रों में स्थायी रूप से बसने और रोजगार से जुड़ने की दिशा में कदम बढ़ाया है।
2. पौड़ी जनपद में सर्वाधिक **1213** पलायन कर गए व्यक्ति लौटे हैं।
3. जनपद अल्मोड़ा **(976)**, टिहरी **(827)** और चमोली **(760)** जैसे जनपद रिवर्स पलायन की दृष्टि से जनपद पौड़ी के बाद प्रमुख केन्द्र बने हैं।
4. कृषि, पशुपालन, घरेलू उद्योग, हस्तशिल्प, सेवा व्यवसाय, पर्यटन, होमस्टे जैसे प्रमुख आजीविका के संसाधन अपनाए गये हैं।
5. नीचे प्रस्तुत तालिका, डेटा बार और पाई चार्ट के माध्यम से जनपदवार भूमिका और भागीदारी को स्पष्ट रूप से दर्शाया गया है।
6. ये प्रारम्भिक आंकड़ें नीति निर्माताओं के लिए स्थानीय पुनर्वास योजनाएं, कौशल विकास कार्यक्रम और ग्राम स्तरीय उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए आधार के रूप में उपयोग में लाये जा सकते हैं।

प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में रिवर्स पलायन के जनपदवार आंकड़े

प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में रिवर्स प्रवासियों (जो गांव से पलायन कर गये थे, पर रिर्वस पलायन कर अपने गांव या उसके आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में लौटे हैं तथा उद्यमिता कर रहे हैं।) का जनपदवार विवरण (प्रारम्भिक आंकड़ें अगस्त, 2025 तक)		
क्र0स0	जनपद	कुल रिवर्स प्रवासी
1	पौड़ी	1213
2	अल्मोड़ा	976
3	टिहरी	827
4	चमोली	760
5	उत्तरकाशी	448
6	बागेश्वर	368
7	पिथौरागढ़	344
8	रूद्रप्रयाग	342
9	चम्पावत	324
10	नैनीताल	300
11	देहरादून	201
12	हरिद्वार	141
13	ऊधमसिंहनगर	38
योग	**उत्तराखण्ड**	**6282**

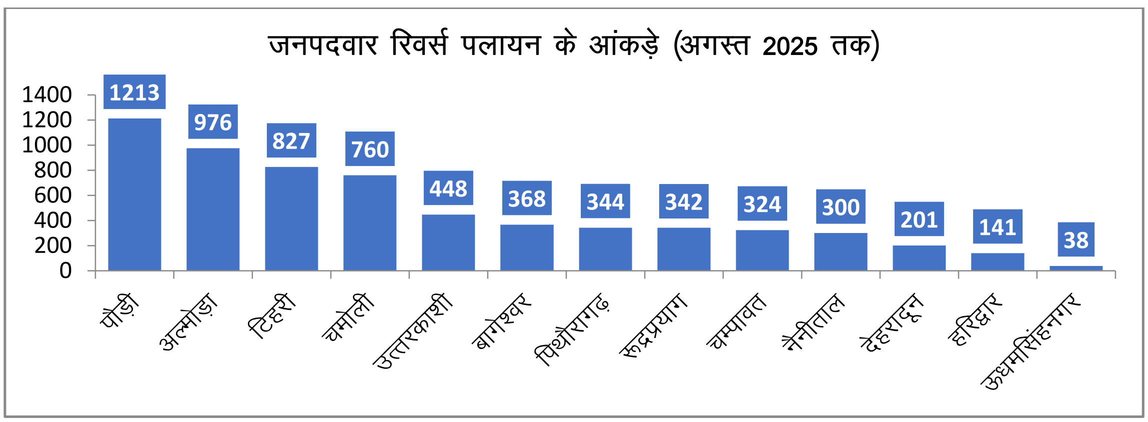

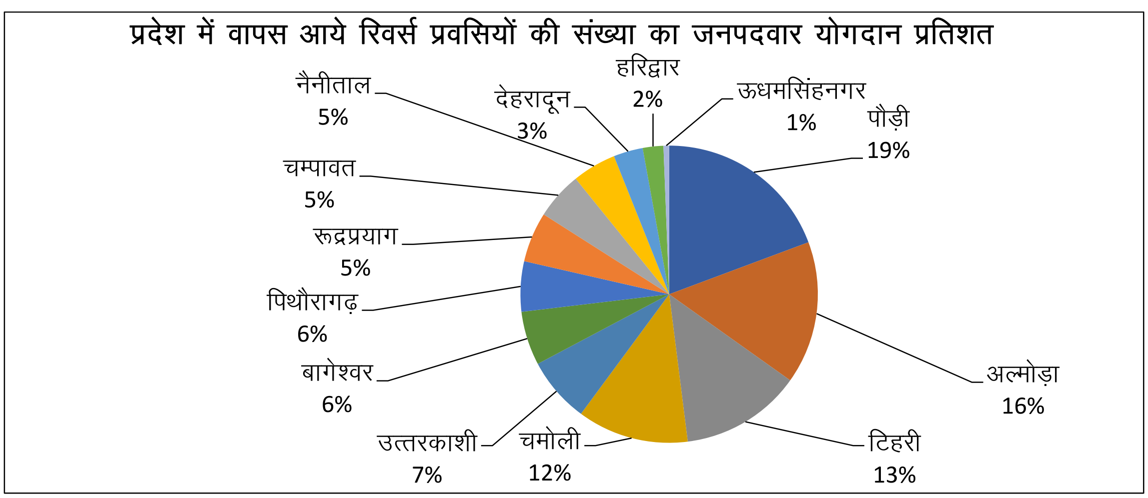

विकासखण्डवार विश्लेषण (प्रारम्भिक स्थिति– अगस्त 2025 तक) :– उत्तराखण्ड जैसे पर्वतीय राज्य में दशकों से पलायन एक गम्भीर सामाजिक–आर्थिक चुनौती रही है। लेकिन हाल के वर्षों में, विशेषकर कोविड–19 के बाद, पलायन कर गये लोगों की वापसी की प्रवृत्ति देखी जा रही है।

पलायन निवारण आयोग द्वारा ग्राम्य विकास विभाग एवं रेखीय विभागों के सहयोग से करवाये गये सर्वेक्षण में अगस्त 2025 तक प्राप्त आंकड़ें यह दर्शाते है कि उत्तराखण्ड के विभिन्न विकासखण्डों में पलायन कर गये व्यक्ति लौटे हैं और उनका राज्य स्तर पर कितना प्रतिशत योगदान है। साथ ही यह आंकड़ें आगे की योजनाओं, संसाधन आवंटन और स्थानीय आजीविका सृजन जैसी रणनीतियों के लिए मार्गदर्शन भी प्रदान करते हैं। नीचे तालिका में विकासखण्डवार आंकड़ें और विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है।

प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में पलायन कर गये व्यक्ति **जो गांव से पलायन कर गये थे, पर वापस आकर अपने गांव या उसके आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में लौटे हैं तथा उद्यमिता कर रहे हैं,** का विकासखण्डवार विवरण (प्रारम्भिक आंकड़ें अगस्त, 2025 तक तक)			
क्र0 स0	जनपद	विकासखण्ड	कुल रिवर्स प्रवासी
1	अल्मोड़ा	भैसियाछाना	208
2	अल्मोड़ा	भिकियासैंण	111
3	अल्मोड़ा	चौखुटिया	47
4	अल्मोड़ा	धौलादेवी	78
5	अल्मोड़ा	द्वाराहाट	96
6	अल्मोड़ा	हवालबाग	39
7	अल्मोड़ा	लमगड़ा	118
8	अल्मोड़ा	सल्ट	68
9	अल्मोड़ा	स्याल्दे	49
10	अल्मोड़ा	ताड़ीखेत	52
11	अल्मोड़ा	ताकुला	110
12	बागेश्वर	बागेश्वर	169
13	बागेश्वर	गरूड़	143
14	बागेश्वर	कपकोट	56
15	चमोली	दशोली	48
16	चमोली	देवाल	84
17	चमोली	गैरसैंण	159
18	चमोली	घाट	74
19	चमोली	जोशीमठ	102
20	चमोली	कर्णप्रयाग	70
21	चमोली	नारायणबगड़	58
22	चमोली	पोखरी	130
23	चमोली	थराली	35
24	चम्पावत	बाराकोट	96
25	चम्पावत	चम्पावत	41
26	चम्पावत	लोहाघाट	73
27	चम्पावत	पाटी	114
28	देहरादून	चकराता	87

29	देहरादून	डोईवाला	4
30	देहरादून	कालसी	77
31	देहरादून	रायपुर	29
32	देहरादून	विकासनगर	4
33	देहरादून	सहसपुर	NA
34	हरिद्वार	बहादराबाद	10
35	हरिद्वार	भगवानपुर	35
36	हरिद्वार	खानपुर	87
37	हरिद्वार	लक्सर	3
38	हरिद्वार	नारसन	1
39	हरिद्वार	रूड़की	5
40	नैनीताल	बेतालघाट	72
41	नैनीताल	भीमताल	49
42	नैनीताल	धारी	41
43	नैनीताल	कोटाबाग	34
44	नैनीताल	ओखलकाण्डा	38
45	नैनीताल	रामगढ़	41
46	नैनीताल	रामनगर	25
47	नैनीताल	हल्द्वानी	NA
48	पौड़ी	बीरोंखाल	106
49	पौड़ी	दुगड्डा	71
50	पौड़ी	द्वारीखाल	46
51	पौड़ी	एकेश्वर	74
52	पौड़ी	जयहरीखाल	56
53	पौड़ी	कल्जीखाल	92
54	पौड़ी	खिर्सू	57
55	पौड़ी	कोट	44
56	पौड़ी	नैनीडाण्डा	72
57	पौड़ी	पावों	82
58	पौड़ी	पौड़ी	84
59	पौड़ी	पोखडा	68
60	पौड़ी	रिखणीखाल	51
61	पौड़ी	थलीसैंण	201
62	पौड़ी	यमकेश्वर	109
63	पिथौरागढ़	बेरीनाग	87
64	पिथौरागढ़	धारचूला	15
65	पिथौरागढ़	डीडीहाट	40
66	पिथौरागढ़	गंगोलीहाट	22
67	पिथौरागढ़	कनालीछीना	29
68	पिथौरागढ़	मुनाकोट	90
69	पिथौरागढ़	मुनस्यारी	21
70	पिथौरागढ़	बिण	40

71	रूद्रप्रयाग	अगस्तमुनि	138
72	रूद्रप्रयाग	जखोली	140
73	रूद्रप्रयाग	ऊखीमठ	64
74	टिहरी	भिलंगना	78
75	टिहरी	चम्बा	50
76	टिहरी	देवप्रयाग	71
77	टिहरी	जाखणीधार	70
78	टिहरी	जौनपुर	16
79	टिहरी	कीर्तिनगर	88
80	टिहरी	नरेन्द्रनगर	39
81	टिहरी	प्रतापनगर	115
82	टिहरी	थौलधार	300
83	ऊधमसिंहनगर	बाजपुर	5
84	ऊधमसिंहनगर	गदरपुर	4
85	ऊधमसिंहनगर	जसपुर	6
86	ऊधमसिंहनगर	काशीपुर	2
87	ऊधमसिंहनगर	खटीमा	2
88	ऊधमसिंहनगर	रूद्रपुर	10
89	ऊधमसिंहनगर	सितारगंज	9
90	उत्तरकाशी	भटवाड़ी	94
91	उत्तरकाशी	चिन्यालीसौड़	98
92	उत्तरकाशी	डुण्डा	65
93	उत्तरकाशी	मोरी	18
94	उत्तरकाशी	नौगांव	109
95	उत्तरकाशी	पुरोला	64
योग	**उत्तराखण्ड**		**6282**

गन्तव्यवार आंकड़े (कहाँ से लौटे)

प्रदेश अन्तर्गत जनपदों के ग्रामीण क्षेत्रों में गन्तव्यवार रिर्वस प्रवासियों का विवरण (प्रारम्भिक आंकड़ें अगस्त 2025 तक)						
क्र0सं0	जनपद	देश के बाहर से	देश के अन्य राज्यों से	राज्य के अन्य जनपदों से	जनपद के नजदीकी कस्बों से	कुल रिवर्स प्रवासी
1	पौड़ी	9	981	206	17	1213
2	अल्मोड़ा	1	773	192	10	976
3	टिहरी	66	595	157	9	827
4	चमोली	11	508	226	15	760
5	उत्तरकाशी	17	292	138	1	448
6	बागेश्वर	7	331	24	6	368
7	पिथौरागढ़	2	298	43	1	344
8	रूद्रप्रयाग	12	277	53	0	342
9	चम्पावत	3	300	21	0	324

10	नैनीताल	11	245	28	16	300
11	देहरादून	8	81	14	98	201
12	हरिद्वार	14	60	23	44	141
13	ऊधमसिंहनगर	8	28	2	0	38
योग	**उत्तराखण्ड**	**169**	**4769**	**1127**	**217**	**6282**
उत्तराखण्ड		**2.7%**	**75.9%**	**17.9%**	**3.5%**	**100%**

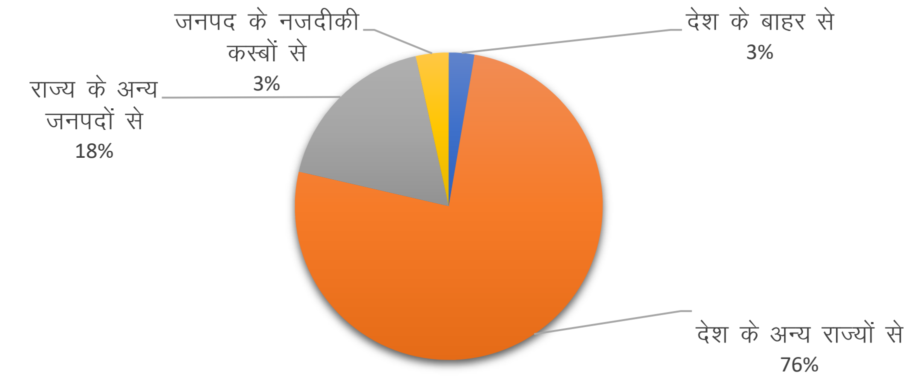

प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में रिवर्स प्रवासियों द्वारा आगंतव्य के आधार पर प्रवृत्तियाँ

प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रवासियों की वापसी के आगंतव्य–आधारित मुख्य प्रवृत्तियाँ :–

1. **देश के बाहर से लौटे – 169**
   - सबसे अधिक टिहरी में 66 रिवर्स प्रवासी देश के बाहर से गांव वापस लौटे।
2. **देश के अन्य राज्यों से लौटे – 4769 रिवर्स प्रवासी व्यक्ति**
   - सर्वाधिक पौड़ी में 981, फिर अल्मोड़ा 773, टिहरी 595 रिवर्स प्रवासी देश के अन्य राज्यों से गांव वापस आये।
3. **राज्य के अन्य जनपदों से लौटे – 1127 रिवर्स प्रवासी व्यक्ति**
   - जनपद चमोली 226, पौड़ी 206 और अल्मोड़ा 192 रिवर्स प्रवासी राज्य के अन्य जनपदों से वापस आये हैं।
4. **जनपद के भीतर नजदीकी कस्बों में लौटे – 217 रिवर्स प्रवासी व्यक्ति** नजदीकी कस्बों से वापस आये

उत्तराखण्ड के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रवासियों की वापसी के आगंतव्य–आधारित विश्लेषण (विकासखण्डवार) :– कोविड–19 वैश्विक महामारी और शहरों में आर्थिक अस्थिरता के प्रभावों जैसे आदि कारणों के चलते भारत के विभिन्न हिस्सों से अपने मूल स्थानों की ओर लौटने वाले रिवर्स व्यक्तियों की संख्या में निरन्तर वृद्धि देखी जा रही है। अगस्त 2025 तक के प्रारम्भिक आंकड़ों के अनुसार, उत्तराखण्ड के विभिन्न जनपदों और विकासखण्डों में कुल 6282 रिवर्स प्रवासी वापस लौटे है, जो इस तथ्य की पुष्टि करता है कि अब प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों की ओर लौटने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। यह प्रवृत्ति नीति–निर्माताओं, योजनाकारों और विकास एजेंसियों के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण सिद्ध हो सकती है, क्योंकि यह क्षेत्रीय विकास, रोजगार और संसाधन योजना को एक नई दिशा देने में सहायक हो सकती है। विकासखण्डवार, आगंतव्यवार (जहाँ से वापस आये) एवं रिवर्स प्रवासियों की श्रेणीवार आंकड़ों का विश्लेषण निम्नवत दर्शाया गया है।

प्रदेश अन्तर्गत विकासखण्डों के ग्रामीण क्षेत्रों में गन्तव्यवार रिर्वस प्रवासियों का वितरण (प्रारम्भिक आंकड़ें अगस्त, 2025 तक तक तक)							
क्र0 स0	जनपद	विकासखण्ड	देश के बाहर से	देश के अन्य राज्यों से	राज्य के अन्य जनपदों से	जनपद के नजदीकी कस्बों से	कुल रिर्वस प्रवासी
1	अल्मोड़ा	भैसियाछाना	0	132	73	3	208
2	अल्मोड़ा	भिकियासैंण	0	103	5	3	111
3	अल्मोड़ा	चौखुटिया	0	46	1	0	47
4	अल्मोड़ा	धौलादेवी	0	48	27	3	78
5	अल्मोड़ा	द्वाराहाट	0	91	5	0	96
6	अल्मोड़ा	हवालबाग	0	28	11	0	39
7	अल्मोड़ा	लमगड़ा	1	80	36	1	118
8	अल्मोड़ा	सल्ट	0	61	7	0	68
9	अल्मोड़ा	स्याल्दे	0	49	0	0	49
10	अल्मोड़ा	ताड़ीखेत	0	43	9	0	52
11	अल्मोड़ा	ताकुला	0	92	18	0	110
12	बागेश्वर	बागेश्वर	1	161	7	0	169
13	बागेश्वर	गरूड़	5	123	12	3	143
14	बागेश्वर	कपकोट	1	47	5	3	56
15	चमोली	दशोली	0	31	16	1	48
16	चमोली	देवाल	2	66	15	1	84
17	चमोली	गैरसैंण	2	124	30	3	159
18	चमोली	घाट	0	37	29	8	74
19	चमोली	जोशीमठ	0	20	82	0	102
20	चमोली	कर्णप्रयाग	1	62	7	0	70
21	चमोली	नारायणबगड़	3	30	23	2	58
22	चमोली	पोखरी	2	113	15	0	130
23	चमोली	थराली	1	25	9	0	35
24	चम्पावत	बाराकोट	0	92	4	0	96
25	चम्पावत	चम्पावत	2	35	4	0	41
26	चम्पावत	लोहाघाट	1	70	2	0	73
27	चम्पावत	पाटी	0	103	11	0	114
28	देहरादून	चकराता	3	25	5	54	87
29	देहरादून	डोईवाला	1	3	0	0	4
30	देहरादून	कालसी	2	29	8	38	77
31	देहरादून	रायपुर	1	22	0	6	29
32	देहरादून	विकासनगर	1	2	1	0	4
33	देहरादून	सहसपुर	NA	NA	NA	NA	NA
34	हरिद्वार	बहादराबाद	3	7	0	0	10
35	हरिद्वार	भगवानपुर	8	21	6	0	35
36	हरिद्वार	खानपुर	3	25	16	43	87
37	हरिद्वार	लक्सर	0	2	0	1	3
38	हरिद्वार	नारसन	0	1	0	0	1
39	हरिद्वार	रूड़की	0	4	1	0	5
40	नैनीताल	बेतालघाट	3	66	2	1	72
41	नैनीताल	भीमताल	3	42	2	2	49

42	नैनीताल	धारी	0	30	6	5	41
43	नैनीताल	कोटाबाग	3	31	0	0	34
44	नैनीताल	ओखलकाण्डा	0	31	1	6	38
45	नैनीताल	रामगढ़	1	23	15	2	41
46	नैनीताल	रामनगर	1	22	2	0	25
47	नैनीताल	हल्द्वानी	NA	NA	NA	NA	NA
48	पौड़ी	बीरोंखाल	0	91	15	0	106
49	पौड़ी	दुगड्डा	0	61	6	4	71
50	पौड़ी	द्वारीखाल	0	40	6	0	46
51	पौड़ी	एकेश्वर	0	56	18	0	74
52	पौड़ी	जयहरीखाल	0	43	12	1	56
53	पौड़ी	कल्जीखाल	0	71	21	0	92
54	पौड़ी	खिर्सू	1	44	9	3	57
55	पौड़ी	कोट	0	37	7	0	44
56	पौड़ी	नैनीडाण्डा	0	64	8	0	72
57	पौड़ी	पावों	1	59	21	1	82
58	पौड़ी	पौड़ी	1	73	10	0	84
59	पौड़ी	पोखडा	0	56	8	4	68
60	पौड़ी	रिखणीखाल	1	43	7	0	51
61	पौड़ी	थलीसैंण	2	156	42	1	201
62	पौड़ी	यमकेश्वर	3	87	16	3	109
63	पिथौरागढ़	बेरीनाग	1	73	13	0	87
64	पिथौरागढ़	धारचूला	0	15	0	0	15
65	पिथौरागढ़	डीडीहाट	0	36	4	0	40
66	पिथौरागढ़	गंगोलीहाट	0	16	6	0	22
67	पिथौरागढ़	कनालीछीना	1	23	5	0	29
68	पिथौरागढ़	मुनाकोट	0	82	8	0	90
69	पिथौरागढ़	मुनस्यारी	0	18	2	1	21
70	पिथौरागढ़	बिण	0	35	5	0	40
71	रूद्रप्रयाग	अगस्तमुनि	2	117	19	0	138
72	रूद्रप्रयाग	जखोली	10	114	16	0	140
73	रूद्रप्रयाग	ऊखीमठ	0	46	18	0	64
74	टिहरी	भिलंगना	7	65	6	0	78
75	टिहरी	चम्बा	2	40	6	2	50
76	टिहरी	देवप्रयाग	1	54	14	2	71
77	टिहरी	जाखणीधार	10	48	12	0	70
78	टिहरी	जौनपुर	0	14	2	0	16
79	टिहरी	कीर्तिनगर	1	73	13	1	88
80	टिहरी	नरेन्द्रनगर	1	28	9	1	39
81	टिहरी	प्रतापनगर	3	77	32	3	115
82	टिहरी	थौलधार	41	196	63	0	300
83	ऊधमसिंहनगर	बाजपुर	2	3	0	0	5
84	ऊधमसिंहनगर	गदरपुर	0	4	0	0	4
85	ऊधमसिंहनगर	जसपुर	5	1	0	0	6
86	ऊधमसिंहनगर	काशीपुर	0	2	0	0	2

87	ऊधमसिंहनगर	खटीमा	0	1	1	0	2
88	ऊधमसिंहनगर	रूद्रपुर	1	8	1	0	10
89	ऊधमसिंहनगर	सितारगंज	0	9	0	0	9
90	उत्तरकाशी	भटवाड़ी	7	69	18	0	94
91	उत्तरकाशी	चिन्यालीसौड़	3	68	27	0	98
92	उत्तरकाशी	डुण्डा	4	46	15	0	65
93	उत्तरकाशी	मोरी	1	9	8	0	18
94	उत्तरकाशी	नौगांव	0	69	40	0	109
95	उत्तरकाशी	पुरोला	2	31	30	1	64
योग	**उत्तराखण्ड**		**169**	**4769**	**1127**	**217**	**6282**

आर्थिक व्यवसाय के आंकड़े एवं विश्लेषण

जनपदों में रिवर्स पलायन कर आये व्यक्तियों के स्वरोजगार का क्षेत्रवार विश्लेषण :— हाल के वर्षों में राज्य में रिवर्स पलायन की प्रक्रिया तेजी से उभरकर सामने आई है। पर्वतीय और मैदानी जनपदों से बाहर गए प्रवासी जब अपने गांव—घर लौटे हैं, तो उन्होनें अपने अनुभव, कौशल एवं उपलब्ध संसाधनों के आधार पर स्थानीय स्तर पर विभिन्न आजीविकाओं एवं स्वरोजगार के अवसरों को अपनाया है। इससे न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिली है बल्कि रिवर्स पलायन (पलायन—निवारण) की दृष्टि से भी सकारात्मक संकेत है। अगस्त 2025 तक के प्रारम्भिक आंकड़ें दर्शाते हैं कि वापस आये व्यक्तियों द्वारा अपनाए गए व्यवसाय विविधतापूर्ण हैं, जो कृषि से लेकर तकनीकी सेवाओं और व्यापार तक फैले हुए हैं। अपनाए गए आर्थिक व्यवसायों का संक्षिप्त विवरण एवं विश्लेषण निम्नवत है :—

वापस आये व्यक्तियों द्वारा अपनाए आर्थिक व्यवसाय के आंकड़ें एवं विश्लेषण (प्रारम्भिक आंकड़ें अगस्त, 2025 तक तक तक)

क्र0 स0	जनपद	कृषि—बागवानी	पर्यटन—सेवा	पशुधन—व्यवसाय	व्यापार—दुकान—सेवाएं	कुशल—तकनीकी व्यवसाय	परिवहन—सेवा	श्रम / मनरेगा / मजदूरी	अन्य	योग
1	पौड़ी	402	348	167	69	45	56	80	46	1213
2	अल्मोड़ा	386	232	153	79	13	46	52	15	976
3	टिहरी	277	186	178	54	24	48	38	22	827
4	चमोली	338	108	139	67	17	24	35	32	760
5	उत्तरकाशी	148	80	151	5	14	34	14	2	448
6	बागेश्वर	173	55	87	5	14	4	26	4	368
7	पिथौरागढ़	177	76	34	11	4	13	29	0	344
8	रूद्रप्रयाग	131	78	60	22	7	19	18	7	342
9	चम्पावत	103	108	64	1	12	16	16	4	324
10	नैनीताल	157	45	29	18	13	18	14	6	300
11	देहरादून	132	19	15	6	5	15	2	7	201
12	हरिद्वार	14	5	46	38	6	6	17	9	141
13	ऊधमसिंहनगर	2	8	11	10	5	0	2	0	38
योग	**उत्तराखण्ड**	**2440**	**1348**	**1134**	**385**	**179**	**299**	**343**	**154**	**6282**
राज्य में योगदान प्रतशत		**38.8%**	**21.5%**	**18.1%**	**6.1%**	**2.8%**	**4.8%**	**5.5%**	**2.5%**	**100%**

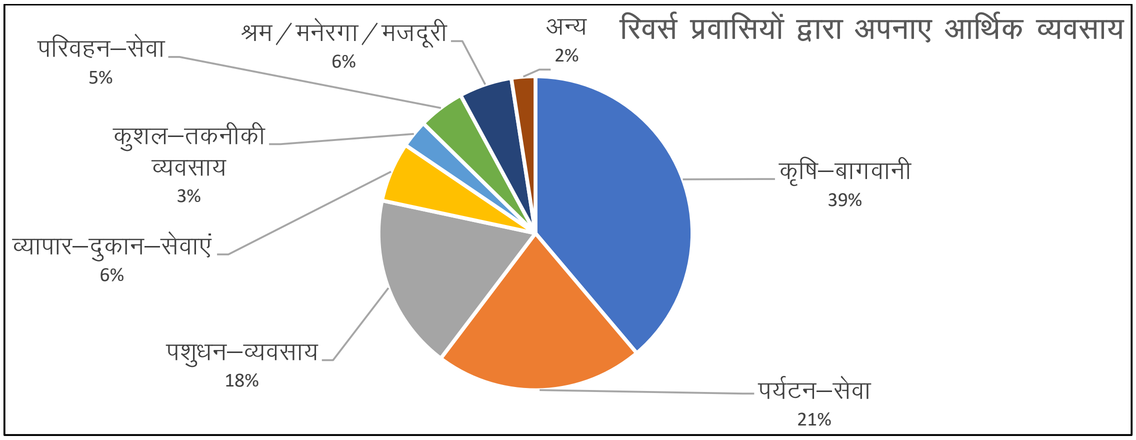

विश्लेषण के मुख्य अंश

1. **कृषि एवं बागवानी** (सामान्य खेती, बागवानी, सब्जी उत्पादन, फलोद्यान, मसाले की खेती, औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती, जड़ी–बूटी उत्पादन, मधुमक्खी पालन, पुष्प उत्पादन, पॉलीहाउस खेती, जैविक खेती, मशरूम उत्पादन, सेब की बागवानी, मौसमी सब्जियाँ आदि सम्मिलित) :–
    - सबसे अधिक रिवर्स प्रवासी कृषि और बागवानी से जुड़े हैं यह प्रवृत्ति दर्शाती है कि ग्रामीण परिवेश में भूमि और प्राकृतिक संसाधनों पर आधारित रोजगार अभी भी व्यवहार्य है।

2. **पर्यटन–सेवाएं** (पर्यटन एवं यात्रा सेवा, गाइड, होमस्टे संचालन, होटल कार्य, रेस्टोरेंट कार्य, कैटरिंग सेवा आदि सम्मिलित) :–
    - पर्वतीय क्षेत्रों में विशेषकर **पौड़ी (348), अल्मोड़ा (232), टिहरी (186), चमोली (108), और चम्पावत (108)** में पर्यटन और सेवाओं का महत्व बढ़ा है। होमस्टे, गाइड और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में संभावनाएं प्रबल हैं।

3. **पशुधन–व्यवसाय** (पशुपालन, डेयरी कार्य, बकरी पालन, भेड़ पालन, पौल्ट्री पालन, मत्स्य पालन, मधुमक्खी पालन आदि सम्मिलित) :–
    - **टिहरी, पौड़ी, अल्मोड़ा, उत्तरकाशी और चमोली जैसे जनपदों में पशुपालन व डेयरी** एक बड़ा आधार है। मधुमक्खी पालन और बकरीपालन भी तेजी से उभर रहे हैं।

4. **व्यापार–दुकान–सेवाएं** (किराना दुकान, चाय की दुकान, कपड़े की दुकान, मोबाइल की दुकान, जनरल स्टोर, स्टेशनरी, सब्जी विक्रेता, फल विक्रेता, मिठाई की दुकान, मांस की दुकान, कॉस्मेटिक की दुकान, दर्जी की दुकान, ब्यूटी पार्लर, नाई की दुकान, ई–मित्र (सीएससी केन्द्र), साइबर कैफे, कोरियर सेवा, मरम्मत की दुकान, छोटा परिवहन व्यवसाय आदि सम्मिलित) :–
    - किराना, जनरल स्टोर, मोबाइल की दुकान, कपड़े की दुकान, चाय की दुकान आदि ग्रामीण बाजारों में रोजगार के अवसर बन रहे हैं। जनपद अल्मोड़ा (79), पौड़ी (69), चमोली (67) और टिहरी (54) रिवर्स प्रवासियों द्वारा इस श्रेणी को अधिक अपनाया गया।

5. **कुशल तकनीकी कार्य** (प्लम्बर, इलेक्ट्रीशियन, मैकेनिक, दर्जी, राजमिस्त्री, बढ़ई, वेल्डर, कम्प्यूटर हार्डवेयर रिपेयर, मोबाइल रिपेयर, तकनीशियन, प्रिटिंग कार्य, सुनार, लुहार, नाई, सोलर, प्राथमिक उपचार, औषधि वितरण, आयुर्वेदिक चिकित्सा तथा सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षक, ट्यूटर, कम्प्यूटर शिक्षक, कौशल प्रशिक्षक कोचिंग संस्थान आदि सम्मिलित) :–
   - **प्लम्बर, इलेक्ट्रिशियन, मैकेनिक, कम्प्यूटर मोबाइल रिपेयर** जैसे कुशल–तकनीकी व्यवसायों में कम संख्या है, जबकि इनकी ग्रामीण क्षेत्रों में जरूरत लगातार बनी रहती है।

6. **परिवहन–सेवा** (टैक्सी, बस, ट्रक, टेम्पो चालक आदि सम्मिलित) :–
   - पौड़ी, टिहरी और अल्मोड़ा जनपदों में अपेक्षाकृत अधिक है। ग्रामीण क्षेत्रों में परिवहन सेवाओं की मांग बढ़ रही है।

7. **श्रम–मनरेगा–मजदूरी** (निर्माण मजदूर, अस्थायी मजदूर, मनरेगा/दैनिक मजदूरी आदि) :–
   - इस श्रेणी के आंकड़ें दर्शाते हैं कि अभी भी बड़ी संख्या में रिवर्स प्रवासी अस्थायी मजदूरी/दैनिक मजदूरी व मनरेगा कार्यों में लगे हुए हैं।

8. **अन्य** (गृह कार्य, गृहिणी, अस्पष्ट उल्लेख, मौसमी कार्य, मिश्रित कार्य, अविभाजित कार्य आदि सम्मिलित) :–
   - इसमें स्वयंसेवी कार्य, स्थानीय नवाचार, छोटी–छोटी सेवाएं सम्मिलित है।

रिवर्स प्रवासियों के स्वरोजगार का विकासखण्डवार एवं क्षेत्रवार विश्लेषण :– उत्तराखण्ड में हाल के वर्षों में रिवर्स पलायन की प्रवृत्ति ने नई सामाजिक–आर्थिक परिस्थितियाँ निर्मित की हैं। राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में लौटे रिवर्स प्रवासी अपने अनुभव और कौशल के आधार पर विविध स्वरोजगार एवं आजीविकाएं अपना रहे हैं। अगस्त 2025 तक के प्रारम्भिक आंकड़ें इस तथ्य को प्रमाणित करते हैं कि कृषि, पशुधन, पर्यटन, व्यापार और सेवाएं जैसे क्षेत्र रिवर्स प्रवासियों के लिए मुख्य आजीविका स्रोत बन रहे हैं। यहाँ प्रस्तुत आंकड़ें जनपदवार और विकासखण्डवार स्वरोजगार गतिविधियों की तस्वीर सामने रखते हैं, जिससे स्पष्ट होता है कि किस क्षेत्र में किस प्रकार का व्यवसाय या कार्य अधिक प्रचलित है।

ग्रामीण क्षेत्रों में वापस आये व्यक्तियों द्वारा अपनाए आर्थिक व्यवसाय के आंकड़ें एवं विश्लेषण विकासखण्डवार (प्रारम्भिक आंकड़ें अगस्त, 2025 तक)

क्र0 स0	जनपद	विकासखण्ड	कृषि–बागवानी	पर्यटन–सेवा	पशुधन–व्यवसाय	व्यापार–दुकान–सेवाएं	कुशल–तकनीकी व्यवसाय	परिवहन–सेवा	श्रम/मनरेगा/मजदूरी	अन्य	योग
1	अल्मोड़ा	भैसियाछाना	125	23	30	1	0	0	22	7	208
2	अल्मोड़ा	भिकियासैंण	0	86	8	4	5	1	6	1	111
3	अल्मोड़ा	चौखुटिया	8	19	2	12	1	3	0	2	47
4	अल्मोड़ा	धौलादेवी	37	15	18	0	0	0	2	6	78
5	अल्मोड़ा	द्वाराहाट	37	24	16	6	0	4	2	7	96
6	अल्मोड़ा	हवालबाग	18	14	2	0	0	0	4	1	39
7	अल्मोड़ा	लमगड़ा	75	11	15	0	4	1	2	10	118

8	अल्मोड़ा	सल्ट	14	10	16	15	5	1	5	2	68
9	अल्मोड़ा	स्याल्दे	31	5	10	0	0	1	0	2	49
10	अल्मोड़ा	ताड़ीखेत	10	16	10	10	0	1	2	3	52
11	अल्मोड़ा	ताकुला	31	9	26	31	0	1	1	11	110
12	बागेश्वर	बागेश्वर	73	34	41	4	0	5	2	10	169
13	बागेश्वर	गरूड़	76	11	34	1	4	8	0	9	143
14	बागेश्वर	कपकोट	24	10	12	0	0	1	2	7	56
15	चमोली	दशोली	8	11	17	0	1	1	5	5	48
16	चमोली	देवाल	43	15	14	8	0	0	2	2	84
17	चमोली	गैरसैंण	39	15	35	40	4	8	5	13	159
18	चमोली	घाट	49	13	8	1	0	1	0	2	74
19	चमोली	जोशीमठ	86	0	12	0	0	0	4	0	102
20	चमोली	कर्णप्रयाग	41	9	12	1	0	5	1	1	70
21	चमोली	नारायणबगड़	44	5	8	0	0	0	0	1	58
22	चमोली	पोखरी	20	37	19	14	26	1	5	8	130
23	चमोली	थराली	8	3	14	3	1	1	2	3	35
24	चम्पावत	बाराकोट	44	27	13	0	1	3	4	4	96
25	चम्पावत	चम्पावत	13	7	10	0	0	3	4	4	41
26	चम्पावत	लोहाघाट	28	18	15	1	0	4	3	4	73
27	चम्पावत	पाटी	18	56	26	0	3	2	5	4	114
28	देहरादून	चकराता	72	5	2	3	3	1	1	0	87
29	देहरादून	डोईवाला	0	0	0	0	2	2	0	0	4
30	देहरादून	कालसी	51	11	2	3	1	1	8	0	77
31	देहरादून	रायपुर	7	1	11	0	1	1	6	2	29
32	देहरादून	विकासनगर	2	2	0	0	0	0	0	0	4
33	देहरादून	सहसपुर	NA	NA	NA	NA	NA	NA	NA	NA	NA
34	हरिद्वार	बहादराबाद	0	0	0	1	1	2	3	3	10
35	हरिद्वार	भगवानपुर	4	3	6	10	5	2	2	3	35
36	हरिद्वार	खानपुर	9	2	39	26	3	2	0	6	87
37	हरिद्वार	लक्सर	1	0	0	1	0	0	0	1	3
38	हरिद्वार	नारसन	0	0	0	0	0	0	0	1	1
39	हरिद्वार	रूड़की	0	0	1	0	0	0	1	3	5
40	नैनीताल	बेतालघाट	46	7	4	6	1	0	5	3	72
41	नैनीताल	भीमताल	19	13	8	3	1	1	0	4	49
42	नैनीताल	धारी	31	0	2	1	3	1	3	0	41
43	नैनीताल	कोटाबाग	10	4	6	7	0	2	2	3	34
44	नैनीताल	ओखलकाण्डा	12	17	6	0	0	1	1	1	38
45	नैनीताल	रामगढ़	30	0	0	0	1	8	0	2	41

46	नैनीताल	रामनगर	9	4	3	1	0	0	7	1	25
47	नैनीताल	हल्द्वानी	NA	NA	NA	NA	NA	NA	NA	NA	NA
48	पौड़ी	बीरोंखाल	48	16	15	8	5	6	2	6	106
49	पौड़ी	दुगड्डा	31	14	5	3	2	2	6	8	71
50	पौड़ी	द्वारीखाल	5	18	6	0	1	3	5	8	46
51	पौड़ी	एकेश्वर	19	26	6	6	8	4	3	2	74
52	पौड़ी	जयहरीखाल	15	27	3	1	0	1	9	0	56
53	पौड़ी	कल्जीखाल	28	31	3	15	2	5	2	6	92
54	पौड़ी	खिर्सू	19	8	14	0	9	3	3	1	57
55	पौड़ी	कोट	19	14	4	0	0	2	0	5	44
56	पौड़ी	नैनीडाण्डा	25	34	4	0	2	0	1	6	72
57	पौड़ी	पावों	24	19	16	14	3	2	0	4	82
58	पौड़ी	पौड़ी	28	18	23	1	0	5	4	5	84
59	पौड़ी	पोखडा	13	11	14	10	0	3	4	13	68
60	पौड़ी	रिखणीखाल	10	20	11	0	0	5	2	3	51
61	पौड़ी	थलीसैंण	79	73	27	3	0	4	7	8	201
62	पौड़ी	यमकेश्वर	39	19	16	8	14	0	8	5	109
63	पिथौरागढ़	बेरीनाग	41	13	11	6	0	2	0	14	87
64	पिथौरागढ़	धारचूला	10	1	0	0	0	0	3	1	15
65	पिथौरागढ़	डीडीहाट	26	4	3	0	0	1	1	5	40
66	पिथौरागढ़	गंगोलीहाट	8	1	7	4	0	0	1	1	22
67	पिथौरागढ़	कनालीछीना	7	20	0	1	0	0	0	1	29
68	पिथौरागढ़	मुनाकोट	51	14	10	0	0	1	8	6	90
69	पिथौरागढ़	मुनस्यारी	14	4	2	0	0	0	0	1	21
70	पिथौरागढ़	बिण	20	19	1	0	0	0	0	0	40
71	रूद्रप्रयाग	अगस्तमुनि	35	33	30	9	3	5	12	11	138
72	रूद्रप्रयाग	जखोली	60	39	25	7	4	0	0	5	140
73	रूद्रप्रयाग	ऊखीमठ	36	6	5	6	0	2	7	2	64
74	टिहरी	भिलंगना	11	34	14	2	3	5	6	3	78
75	टिहरी	चम्बा	21	8	16	0	1	0	1	3	50
76	टिहरी	देवप्रयाग	17	17	20	1	5	3	3	5	71
77	टिहरी	जाखणीधार	4	22	5	26	5	4	2	2	70
78	टिहरी	जौनपुर	2	1	9	0	1	2	1	0	16
79	टिहरी	कीर्तिनगर	77	7	1	3	0	0	0	0	88
80	टिहरी	नरेन्द्रनगर	11	11	14	0	1	0	2	0	39
81	टिहरी	प्रतापनगर	46	20	29	7	2	2	5	4	115
82	टिहरी	थौलधार	88	66	70	15	4	8	28	21	300
83	ऊधमसिंहनगर	बाजपुर	0	3	1	0	0	1	0	0	5

84	ऊधमसिंहनगर	गदरपुर	0	1	3	0	0	0	0	0	4
85	ऊधमसिंहनगर	जसपुर	1	1	1	2	0	1	0	0	6
86	ऊधमसिंहनगर	काशीपुर	0	1	1	0	0	0	0	0	2
87	ऊधमसिंहनगर	खटीमा	0	0	1	0	0	1	0	0	2
88	ऊधमसिंहनगर	रूद्रपुर	1	0	4	3	0	1	0	1	10
89	ऊधमसिंहनगर	सितारगंज	0	2	0	5	0	1	0	1	9
90	उत्तरकाशी	भटवाड़ी	22	21	29	0	1	4	13	4	94
91	उत्तरकाशी	चिन्यालीसौड़	29	17	40	0	0	1	5	6	98
92	उत्तरकाशी	डुण्डा	24	12	16	0	1	2	8	2	65
93	उत्तरकाशी	मोरी	13	1	3	0	0	0	1	0	18
94	उत्तरकाशी	नौंगांव	37	23	34	5	0	3	6	1	109
95	उत्तरकाशी	पुरोला	23	6	29	0	0	4	1	1	64
योग	**उत्तराखण्ड**		**2440**	**1348**	**1134**	**385**	**154**	**179**	**299**	**343**	**6282**

आगन्तव्यवार रिवर्स प्रवासियों द्वारा अपनाए गए आर्थिक संसाधन :– उत्तराखण्ड के ग्रामीण क्षेत्रों में लौटे रिवर्स प्रवासियों ने अपने आजीविका साधनों में विविधता दिखाई है। इनमें सबसे प्रमुख रूझान कृषि–बागवानी और पशुपालन की ओर है, जिसे सभी स्रोतों से लौटे प्रवासी साझा रूप से पहली पसन्द बना रहे हैं। इसके साथ ही पर्यटन क्षेत्र विशेषकर विदेश व अन्य राज्यों से लौटे प्रवासियों के लिए आकर्षण का केन्द्र है। वहीं तकनीकी व नई सेवाएं अपेक्षाकृत अधिक विदेशी प्रवासियों द्वारा अपनाई गई है, जो उनके अनुभव और कौशल के उपयोग को दर्शाती है। इसके अलावा व्यापार और परिवहन से जुड़ी गतिविधियों को स्थानीय कस्बों से लौटे प्रवासी अधिक अपनाते हैं, जिससे क्षेत्रीय आवश्यकताओं और तात्कालिक अवसरों का अंदाजा मिलता है। निम्नवत आंकड़ों से उक्त स्पष्टता होती है।

आगन्तव्यवार रिवर्स प्रवासियों द्वारा अपने ग्रामीण क्षेत्रों में अपनाए गए आर्थिक संसाधन का विवरण

आर्थिक संसाधन/आगन्तव्य क्षेत्र	देश के बाहर से	देश के अन्य राज्यों से	राज्य के अन्य जनपदों से	जनपद के नजदीकी कस्बों से	कुल प्रवासी
कृषि–बागवानी	39	1789	492	120	2440
पर्यटन–सेवा	33	1100	194	21	1348
पशुधन–व्यवसाय	27	851	220	36	1134
व्यापार–दुकान–सेवाएं	12	303	47	23	385
अन्य	7	104	38	5	154
कुशल–तकनीकी व्यवसाय	8	120	46	5	179
परिवहन–सेवा	25	227	46	1	299
श्रम/मनेरगा/मजदूरी	18	275	44	6	343
योग	**169**	**4769**	**1127**	**217**	**6282**

विश्लेषण के मुख्य अंश

1. **रिवर्स प्रवासी :–** प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में कुल 6282 रिवर्स प्रवासी अपने गांवों या आसपास के क्षेत्रों में लौटकर बस गए हैं और स्वरोजगार/आजीविका से जुड़ रहे हैं।
    - **सबसे अधिक रिवर्स प्रवासी पौड़ी (1213), अल्मोड़ा (976) और टिहरी (827)** जनपदों में लौटे हैं, जो कि **राज्य के कुल रिवर्स प्रवासियों का लगभग आधा (3016) हिस्सा है।**

- इसके बाद चमोली (760), उत्तरकाशी (448), बागेश्वर (368), पिथौरागढ (344), रूद्रप्रयाग (342) और चम्पावत (324) में प्रवासियों की उल्लेखनीय संख्या दर्ज की गई।

यह आंकड़ें दर्शाते हैं कि अधिकतर रिवर्स प्रवासी पहाड़ी जनपदों जैसे पौड़ी, अल्मोड़ा, टिहरी, चमोली, उत्तरकाशी में लौटे हैं।

2. **रिवर्स प्रवासियों के आगन्तव्य :–** प्रदेश अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में अगस्त 2025 तक लौटे व्यक्तियों के आगन्तव्यवार विश्लेषण से प्रमुख तथ्य स्पष्ट होते हैं :–
    - उत्तराखण्ड में लौटने वाले व्यक्तियों की सबसे बड़ी संख्या **देश के अन्य राज्यों** से आई (लगभग 76% हिस्सा)।
    - **राज्य के भीतर (अन्य जनपदों से और नजदीकी कस्बों से)** लौटने वालों का अनुपात भी महत्वपूर्ण (21% लगभग) है।
    - **विदेश से लौटने** वालों की संख्या अपेक्षाकृत बहुत कम है। (लगभग 2.7%)।

यह आंकड़ें स्पष्ट करते हैं कि रिवर्स प्रवासियों की वापसी का **मुख्य स्रोत देश के अन्य राज्य हैं और पर्वतीय जनपदों में रिवर्स माइग्रेशन का दबाव अधिक** है।

3. रिवर्स प्रवासियों के आर्थिक–संसाधन :–
    - **कृषि–बागवानी और पशुपालन सभी क्षेत्रों से लौटे रिवर्स प्रवासियों** की पहली पसन्द।
    - पर्यटन–**सेवा, खासकर विदेश व अन्य राज्यों से लौटे** प्रवासियों को आकर्षित कर पाया।
    - **तकनीकी और नई सेवाएं विदेशी रिवर्स प्रवासियों** द्वारा अपेक्षाकृत अधिक अपनाई जा रही है।
    - **व्यापार व परिवहन सेक्टर, नजदीकी कस्बों से लौटे रिवर्स प्रवासी** अधिक अपनाते हैं।